केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

08 जनवरी 2025

बुधवार

आपकी आवाज

सीवान में जल्द बनेगा बाईपास, जाम से मिलेगी मुक्ति : मुख्यमंत्री 2

तिब्बत में भूकंप से तबाही... 126 लोगों की गई जान, 200 से अधिक घायल, कई इमारतें जमींदोज

एजेंसी/नई दिल्ली

नेपाल, चीन, तिब्बत में मंगलवार को आए भूकंप ने जमकर तबाही मचाई है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास मंगलवार सुबह 6 बजकर 35 मिनट पर आए 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने 126 लोगों की जान ली है। वहीं 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भूकंप से संपत्तियों का भी भारी नुकसान हुआ है। भूकंप से कई इमारतें ढहकर मलबे का ढेर बन गई हैं। भूकंप का केंद्र नेपाल के लोबुचे से 93 किमी उत्तर पूर्व में तिब्बत के शिगात्से शहर में था।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सरकारी अधिकारियों को युद्धस्तर पर राहत और बचाव का निर्देश दिया है। भूकंप का केंद्र रहा लोबुचे नेपाल में खुम्बू ग्लेशियर के पास स्थित है और काठमांडू से 150 किलोमीटर पूर्व में एवरेस्ट बेस कैंप के करीब है। नेपाल के नामचे क्षेत्र के एक सरकारी अधिकारी जगत प्रसाद भुसाल ने बताया है कि नेपाल भूकंप के प्रति संवेदनशील है क्योंकि यह एक प्रमुख भूगर्भीय फॉल्ट लाइन पर स्थित है। यहां भारतीय टेक्टोनिक प्लेट यूरेशियन प्लेट से टकराती है, जिससे हिमालय का निर्माण होता है। इस वजह से यहां भूकंप नियमित रूप से आते हैं। नेपाल में इस भूकंप ने 2015 में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप की यादें ताजा कर दी हैं, जिसमें 9,000 लोग मारे गए थे और करोड़ों की संपत्ति तबाह हुई थी। चीन की भूकंप निगरानी एजेंसी सीईएनसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र लगभग 4,200 मीटर की ऊंचाई पर था। चीन के सरकारी सीसीटीवी ने बताया कि डिंगरी काउंटी और उसके आसपास के इलाकों में बहुत तेज झटके महसूस किए गए और केंद्र के पास कई इमारतें ढह गईं। कई झटकों के बाद भी आफ्टरशॉक आते रहे, जिनमें सबसे बड़ा 4.4 तीव्रता का था। यूएसजीएस ने बताया कि पिछली शताब्दी में इस क्षेत्र में कम से कम 6 तीव्रता के 10 भूकंप आ चुके हैं।

बिहार से लेकर दिल्ली तक डोली धरती, नुकसान नहीं

भूकंप के झटके बिहार, सिक्किम, असम, उत्तराखंड, दिल्ली समेत कई राज्यों में महसूस किए गए। बताया जा रहा है कि सुबह 6 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। 12 घंटों के दौरान तीन बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। बिहार में मधुबनी, पूर्णिया, सीवान, सुपौल, मोतिहारी समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में सुबह में आए भूकंप के कारण करीब 5 से सात सेकंड तक धरती हिलती रही। लोग डर के मारे अपने घरों से बाहर आ गए। गनीमत रही कि बिहार में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

खबरें फटाफट

असम के कोयला खदान में पानी भरने से तीन मजदूरों की मौत, छह लोग फंसे

गुवाहाटी। असम के दूर-दराज इलाके में एक कोयला खदान में पानी भर जाने से तीन मजदूरों की मौत हो गई है। यह हादसा सोमवार को हुआ। नौ मजदूर खदान में फंस गए थे। बचाव दल के सदस्य रात भर काम करते रहे। इस दौरान उन्हें तीन शव दिखाई दिए हैं, लेकिन अभी तक निकाले नहीं गए हैं। सेना के गोताखोर, हेलीकॉप्टर और इंजीनियर बचाव कार्य में जुटे हैं। यह खदान दिमा हसाओ जिले में है। दिमा हसाओ के पुलिस प्रमुख मयंक कुमार ने बताया कि खदान में अंदर से पानी भर गया। खनिकों ने शायद पानी की कोई नाली तोड़ दी होगी। इससे पानी निकला और खदान में भर गया। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें खनिकों को निकालने की कोशिश कर रही हैं। सेना ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें बचावकर्मी रस्सियों, क्रेन और दूसरे उपकरणों के साथ खदान के किनारे खड़े दिख रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में 1.55 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का करेंगे प्रयोग

दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों पर 5 फरवरी को मतदान, 8 को मतगणना

♦ साल 2020 के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटों पर जीत दर्ज की थी। भाजपा के खाते में आठ सीटें आई थी, कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए तारीखों का ऐलान हो गया है। चुनाव आयोग ने बताया कि दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों पर मतदान 5 फरवरी 2025 को होगा और मतगणना 8 फरवरी को होगी। इस बार दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को समाप्त हो रहा है। इन चुनावों में कुल 1.55 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनावी तैयारियों के बीच दिल्ली में राजनीतिक दलों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करना अहम हो गया है। साल 2020 के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटों पर जीत दर्ज की थी। भाजपा के खाते में आठ सीटें आई थीं। जबकि, कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के संदर्भ में आम आदमी पार्टी की स्थिति को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। आप के लिए यह तीसरा टर्म होगा और पार्टी दिल्ली में सत्ता में बनी हुई है। 2013 में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई थी, लेकिन यह सरकार ज्यादा समय तक चल नहीं पाई। इसके बाद 2015 में हुए विधानसभा चुनावों में आप ने 67 सीटों के साथ धमाकेदार जीत दर्ज की और बीजेपी को मात्र 3 सीटों पर ही संतुष्ट होना पड़ा।

कांग्रेस ने पिछले दो चुनावों में अपनी हार से सीखते हुए इस बार आप को चुनौती देने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने अरविंद केजरीवाल की सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए और उन्हें एंटी-नेशनल तक कह दिया। कांग्रेस अब दिल्ली की जनता से फिर से संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रही है और वह आप के वोट बैंक में सेंध लगाने के लिए तत्पर है। हालांकि, कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा चुनौती आप की बढ़ती लोकप्रियता और भाजपा का मजबूत वोट बैंक है।

दिल्ली में 10 साल से ज्यादा समय से है आप की सरकार

चुनावों के वोट प्रतिशत पर नजर डालें तो स्थिति और भी स्पष्ट होती है। 2013 में कांग्रेस को 24.55 प्रतिशत, आप को 29.49 प्रतिशत और भाजपा को 33.07 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं, 2015 में आप को 54.34 प्रतिशत, भाजपा को 32.19 प्रतिशत और कांग्रेस को मात्र 9.65 प्रतिशत वोट मिले। 2020 में आप ने 53.57 प्रतिशत वोट हासिल किया, जबकि भाजपा के हिस्से में 38.51 प्रतिशत वोट आए और कांग्रेस को सिर्फ 4.26 प्रतिशत वोट मिला। 2013, 2015 और 2020 के आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि आप ने कांग्रेस के वोट बैंक में गंभीर सेंधमारी की है, जबकि भाजपा ने अपने वोट प्रतिशत को बनाए रखा है। 2020 में भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा, जबकि कांग्रेस का प्रतिशत और गिरा। अगर कांग्रेस आप से कुछ वोट हासिल करने में सफल होती है, तो भाजपा के लिए चुनावी मैदान में स्थिति और आसान हो सकती है। इसके अलावा, दिल्ली में 10 साल से ज्यादा समय से आप की सरकार है, जिससे लोगों के मन में सरकार के खिलाफ विश्वास की कमी पैदा हो सकती है। अगर कांग्रेस अपने वोट प्रतिशत में सुधार करने में सफल होती है, तो यह आप के लिए कठिनाई पैदा कर सकती है, और भाजपा को भी लाभ मिल सकता है।

ईवीएम में खामी के कोई सबूत नहीं: मुख्य चुनाव आयुक्त

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि 13 हजार से ज्यादा पोलिंग बूथ हैं। दिल्ली में कुल एक करोड़ 55,24,858 मतदाता हैं। इसमें पुरुष मतदाता 85,49,645 हैं, जबकि 71,73,952 महिला मतदाता हैं। दिल्ली में दो लाख फर्स्ट वोटर हैं। चुनाव में 85 वर्ष से अधिक आयु के तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान की सुविधा रहेगी। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा, 2024 में, कुछ शंकाएं और संदेह उठाए गए थे। ऐसा कहा गया था कि मतदाता सूची में गलत तरीके से नाम जोड़े और हटाए गए थे। यह हाल ही में दिल्ली में आम चुनाव चल रहे हैं। यह भी कहा गया था कि कुछ समूहों को टारगेट किया जाता है और मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं। मैं समझा दूं कि यह सब संभव है या नहीं। चुनाव आयुक्त ने कहा, ईवीएम में अविश्वसनीयता या किसी तरह की खामी का कोई सबूत नहीं है। ईवीएम में वायरस या बग आने का कोई सवाल ही नहीं है।

पटना पुलिस ने एनकाउंटर में दो डकैतों को मार गिराया

सुबह 3:30 बजे फुलवारी शरीफ में हुई मुठभेड़

केटी न्यूज/पटना

बिहार के पटना में पुलिस ने एनकाउंटर में दो बदमाशों को ढेर कर दिया। मंगलवार सुबह हुई मुठभेड़ में दो डकैत की गोली लगने से मौत हो गई। एनकाउंटर में गौरीचक थाने के दारोगा विवेक कुमार को गोली लग गई। उन्हें इलाज के लिए पटना एम्स लाया गया। यह मुठभेड़ सुबह करीब 3:30 बजे फुलवारी शरीफ में हुई।

मामले में पटना के एसएसपी अवकाश कुमार ने एनकाउंटर की पुष्टि की है। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि डकैती करने आए अपराधियों ने पुलिस को देखकर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में दो डकैतों को गोली लगी। इसके बाद उन्हें पीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। मारे गए दोनों अपराधियों की पहचान विवेक कुमार और दही लाल के रूप में हुई है। दोनों डकैत नालंदा के रहने वाले थे। वहीं गिरफ्तार अपराधी की पहचान मंटू कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार 8-10 अपराधी डकैती करने पहुंचे थे, लेकिन घने कोहरे का फायदा उठाकर बाकी आरोपी फरार हो गए। बता दें बिहार पुलिस बैंक डकैती और लूटपाट जैसी वारदातों पर अंकुश लगाने में जुटी है। इसके लिए एसटीएफ ने 17 डकैतों को अपने रडार पर लिया था। ऐसे में उनकी तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस क्रम में यह कार्रवाई की गई है।

इससे पहले पिछले महीने एसटीएफ ने कुख्यात लुटेरे अजय राय को पिछले महीने ही एनकाउंटर में मार गिराया था। वह बैंक लुटेरा गिरोह का सरगना था। जानकारी के अनुसार अजय राय जक्कनपुर में पहचान छिपाकर किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस उसे अरेस्ट करने पहुंची। तो उसने फायरिंग कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसको ढेर कर दिया।

राम मंदिर परिसर में कैमरा लगे चश्मे के साथ पकड़ा गया युवक

एजेंसी/अयोध्या

राम जन्मभूमि परिसर में एक युवक को कैमरा लगे धूप के चश्मे का उपयोग कर तस्वीरें खींचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, युवक ने मंदिर परिसर में तस्वीरें लेने और वीडियो बनाने पर लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन किया। उसकी पहचान गुजरात के वडोदरा निवासी जानी जयकुमार के रूप में हुई है। युवक ने राम जन्मभूमि पथ पर सुरक्षा चौकियों को पार कर लिया और मंदिर परिसर के सिंहद्वार तक पहुंच गया। जब वह कैमरा लगे चश्मे से तस्वीरें खींच रहा था, तो कैमरे की लाइट चमकने पर सुरक्षाकर्मियों का ध्यान उसकी ओर गया। इसके बाद युवक को पकड़ लिया गया। उससे पूछताछ हो रही है।

एसपी (सुरक्षा) बलरामचारी दुबे ने बताया कि युवक के चश्मे में दोनों तरफ कैमरे लगे हैं और तस्वीरें खींचने के लिए एक बटन दिया गया है। यह चश्मा लगभग 50,000 रुपये का बताया जा रहा है। दुबे ने बताया कि एसएसएफ जवान अनुराग बाजपेयी की सतर्कता के कारण यह मामला सामने आया। अनुराग को उनकी त्वरित कार्रवाई के लिए पुरस्कृत किया जाएगा।

पूर्व राष्ट्रपति स्व. प्रणब मुखर्जी का बनेगा स्मारक

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय प्रणब मुखर्जी का स्मारक बनाने का फैसला किया है। पूर्व राष्ट्रपति का स्मारक बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 'राष्ट्रीय स्मृति' परिसर (राजघाट परिसर का एक हिस्सा) के भीतर एक स्थल को चिन्हित करने को मंजूरी भी दे दी है। बता दें कि, इसकी जानकारी लेखक और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर दी है। उन्होंने लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और बाबा के लिए एक स्मारक बनाने के उनके सरकार के फैसले के लिए दिल से आभार और कृतज्ञता व्यक्त की। यह और भी अधिक सराहनीय है, क्योंकि हमने इसके लिए नहीं कहा था। प्रधानमंत्री के इस अप्रत्याशित लेकिन सचमुच दयालु भाव से मैं बहुत प्रभावित हूं।

अपने दूसरे पोस्ट में उन्होंने लिखा- बाबा कहते थे कि राजकीय सम्मान के लिए मांग नहीं करनी चाहिए, बल्कि उसे पेश करना चाहिए। मैं बहुत आभारी हूं कि प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा की याद में ऐसा किया। इससे बाबा पर कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अब कहां हैं- सिर्फ तारीफ या आलोचना से परे। लेकिन उनकी बेटी के लिए, मैं अपनी खुशी को शब्दों में बयां नहीं कर सकता।

अतुल सुभाष की मां को पोते की कस्टडी देने से कोर्ट का इनकार

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अतुल सुभाष की मां को पोते की कस्टडी देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि दादी बच्चे के लिए पूरी तरह अजनबी है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि बच्चे की कस्टडी का मुद्दा सुनवाई कर रही अदालत के समक्ष उठाया जा सकता है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि यह कहते हुए दुख हो रहा है लेकिन बच्चा याचिकाकर्ता के लिए अजनबी है। अगर आप चाहें तो कृपया बच्चे से मिल लें। अगर आप बच्चे की कस्टडी चाहते हैं तो इसके लिए एक अलग प्रक्रिया है। ज्ञात हो कि 34 वर्षीय सुभाष 9 दिसंबर, 2024 को बेंगलुरु के मुन्नेकोलालू में अपने घर में फंदे से लटके पाए गए थे। मौत से पहले अतुल ने सुसाइड नोट छोड़ रखा था, जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी और ससुराल वालों को मौत का जिम्मेदार बताया था।

शीर्ष अदालत सुभाष की मां अंजू देवी द्वारा दायर हैबियस कॉर्पस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने अपने चार वर्षीय पोते की कस्टडी की मांग की थी। वकील ने शीर्ष कोर्ट को बताया कि बच्चा हरियाणा के एक बोर्डिंग स्कूल में पढ़ रहा है।

केंद्र सरकार ने छीन लिया मेरा घर: आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि पिछली रात को केंद्र सरकार ने मेरा सरकारी घर, सीएम आवास से सामान निकाल बाहर फेंक दिया। एक चुनी हुई सरकार के सीएम का घर छीन लिया। 3 महीना पहले भी मेरे साथ यही किया था। मेरा सामान घर से बाहर फेंक दिया है। वहीं, पीडब्लयूडी विभाग के मुताबिक सीएम आतिशी ने 6 फ्लैग स्टाफ रोड का फिजिकल पोजेशन नहीं लिया। बार-बार रिमांडर देने बाद भी आतिशी घर में शिफ्ट नहीं हुईं। आतिशी के कहने पर घर में बदलाव भी किये गए, लेकिन वो घर मे शिफ्ट नहीं हुई। इसके बाद घर का अलॉटमेंट कैंसिल किया गया।

अमित शाह ने की सीबीआई की ओर से तैयार किए गए पोर्टल भारतपोल की शुरुआत

भारत से भागकर दूसरे देशों में छिपे भगोड़ों को पकड़ने में होगी आसानी

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सीबीआई की ओर से तैयार किए गए पोर्टल भारतपोल की शुरुआत की। इससे राज्यों के पुलिस बल और अन्य केंद्रीय कानून लागू करने वाली एजेंसियों को इंटरपोल के जरिए अंतरराष्ट्रीय पुलिस की मदद के लिए सूचना साझा करने की सुविधा मिलेगी। सीबीआई देश का राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो है, जो इंटरपोल से संबंधित मामलों के लिए जिम्मेदार है। मामले से जुड़े अधिकारियों ने भारतपोल के बारे में बताया कि नया ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भारतपोल राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों तथा केंद्रीय जांच एजेंसियों को विदेश में छिपे भगोड़े लोगों या अन्य मामलों को लेकर इंटरपोल से सूचना मांगने में आसानी होगी। इसके जरिए जल्द अनुरोध भेजा जा सकेगा।

अमित शाह ने भारतपोल पोर्टल की तारीफ करते हुए कहा कि आज यहां 'भारतपोल' लॉन्च किया गया है। भारतपोल हमारे देश की अंतरराष्ट्रीय जांचों को एक नए युग में ले जाएगा। सीबीआई ही इंटरपोल के साथ काम करने वाली एकमात्र एजेंसी थी, लेकिन भारतपोल के लॉन्च के साथ, हर भारतीय एजेंसी और सभी राज्यों की पुलिस आसानी से इंटरपोल से जुड़ पाएगी। हम अंतराल को पाट सकेंगे और अपराध को नियंत्रित करने के लिए कुशलतापूर्वक काम कर सकेंगे। शाह ने आगे कहा कि इससे हमारे देश की जांच एजेंसियां दूसरे देशों की पुलिस से बहुत आसानी से मदद ले सकेंगी। पहले सिर्फ सीबीआई ही इंटरपोल से जुड़कर दूसरे देशों की पुलिस से मदद मांग सकती थी। लेकिन अब भारतपोल के जरिए सभी राज्य पुलिस और अन्य एजेंसियां भी इंटरपोल से सीधे जुड़ सकेंगी। अब तक अगर किसी भारतीय राज्य की पुलिस या किसी अन्य जांच एजेंसी को विदेश में छिपे किसी अपराधी को भारत लाना होता था,तो उन्हें सीबीआई से संपर्क करना पड़ता था। यह संपर्क आमतौर पर ईमेल या फिर पारंपरिक पत्राचार के माध्यम से होता था। इस प्रक्रिया में सूचनाओं के लीक होने का खतरा भी बना रहता था।

70वीं बीपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितता मामले की सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बीपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितता और प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। बीपीएससी परीक्षा विवाद को लेकर लगी याचिकाओं पर शीर्ष कोर्ट ने कहा कि वह भावनाओं को समझती है, लेकिन याचिकाकर्ता को पहले पटना हाईकोर्ट का रुख करना चाहिए। इससे पहले कोर्ट ने 13 दिसंबर 2024 को आयोजित बीपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं और उसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे आंदोलनकारियों पर पुलिस कार्रवाई से संबंधित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह अपनी शिकायतों के साथ पटना उच्च न्यायालय का रुख करें।

याचिकाकर्ता आनंद लीगल एड फोरम ट्रस्ट की ओर से पेश वकील ने पीठ से याचिका पर विचार करने का आग्रह करते हुए कहा कि देश ने बिहार पुलिस की शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर बर्बरता देखी है। प्रदर्शन कर रहे छात्र विवादास्पद बीपीएससी परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। सीजेआई ने कहा कि हम आपसे पटना उच्च न्यायालय जाने के लिए कह रहे हैं। हालांकि, वकील ने कहा कि यह पेपर लीक मामला है। सीजेआई ने कहा कि हम प्रथम दृष्टया न्यायालय नहीं हो सकते हैं और हमें लगता है कि यह उचित और अधिक शीघ्र होगा कि याचिकाकर्ता संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत पटना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएं।

नीतीश कुमार ने सीवान को दी 109 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात

सीवान में जल्द बनेगा बाईपास, जाम से मिलेगी मुक्ति : मुख्यमंत्री

केटी न्यूज/सीवान

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के क्रम में सीवान जिला को लगभग 109 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से 127 विकासात्मक योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 83 करोड़ 47 लाख 37 हजार रुपए की लागत से 122 योजनाओं का उद्घाटन तथा 25 करोड़ 38 लाख 27 हजार रुपए की लागत से 5 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। सीएम ने प्रगति यात्रा के क्रम में पचरुखी प्रखंड के ग्राम नारायणपुर में प्रस्तावित सीवान-बाईपास का स्थल निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मैप के माध्यम से प्रस्तावित सीवान-बाईपास के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। प्रस्तावित पथ मोहम्मदपुर मोड़ से छपिया-टेढ़िघाट-गोपालपुर में आरोबी सहित चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का कार्य किया जाना है। इस प्रस्तावित पथ की कुल लंबाई 13.80 किलोमीटर है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस प्रस्तावित पथ का कार्य यथाशीघ्र शुरू कराएं। इसके बन जाने से आवागमन सुगम होगा। लोगों की जाम की समस्या से भी निजात मिलेगी।

सीएम के आगमन से पूर्व वाहन हुआ दुर्घटनाग्रस्त, 15 घायल

सीएम नीतीश के आगमन से पहले पथ निर्माण विभाग के वाहन ने 15 से अधिक लोगों को कुचला दिया। सभी घायलों का इलाज सीवान के सदर अस्पताल में चल रहा है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि दरौंदा थाना क्षेत्र में सीएम नीतीश कुमार के आगमन पर प्रशासन काफी एक्टिव मोड में है। तमाम पदाधिकारी अलर्ट मोड में हैं। पथ निर्माण विभाग की गाड़ी पेट्रोलिंग कर रही थी और पेट्रोलिंग के क्रम में रॉन्ग साइड जाकर पांच मोटर साइकिल सवार को रौंद दिया है। इस पर कुल सवार डेढ़ दर्जन लोग घायल हो गए हैं। यह घटना दरौंदा थाना क्षेत्र के सिरसिया गांव के पास हुई है। इस हादसे के बाद पुलिस और आसपास के लोगों के द्वारा सभी घायलों को इलाज के लिए सीवान के सदर अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। वहीं, घायलों में कुल पांच लोगों की पैर टूटने की बात बताई जा रही है। घायलों की पहचान गोरख बिंद, ममता देवी, रोशन बिंद, विनोद बिंद, निशा कुमारी, करण बिंद और विनोद बिंद के रूप में हुई है।

मुख्यमंत्री ने तालाब में छोड़ा मछली का जीरा : इसके पश्चात सीएम ने सीवान जिले के हुसैनगंज प्रखंड स्थित मचकना पंचायत के ग्राम करहनु में जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत सौंदगीर्कृत कराए गए तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने तालाब में मछली का जीरा छोड़ा। तालाब निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों को निर्देश देते हुए सीएम ने कहा कि इस तालाब के चारों तरफ सीढ़ीनुमा घाट का निर्माण कराएं। इससे लोगों को सहूलियत मिलेगी। तालाब के चारों तरफ यहां अच्छे ढंग से वृक्षारोपण कराया गया है। यह अच्छी बात है। हमलोग वर्ष 2019 से जल-जीवन-हरियाली अभियान की शुरुआत कर सभी सार्वजनिक तालाब, पोखर, कुओं आदि के सौंदर्गीकरण एवं जीर्णोद्धार का काम कर रहे हैं। प्रगति यात्रा के क्रम में आयोजित जीविका दीदियों के संवाद कार्यक्रम में सीएम शामिल हुए। सीएम ने सीवान जिला अंतर्गत जीरादेई प्रखंड के भैसाखाल में 520 आसन वाले नवनिर्मित राजकीय अतिपिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस टू उच्च विद्यालय के शैक्षणिक सह प्रशासनिक भवन का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात सीएम ने नवनिर्मित भवन का निरीक्षण कर उपलब्ध कराई गई सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। इस आवासीय विद्यालय के प्रांगण में सीएम ने पौधारोपण भी किया। सीएम ने प्रस्तावित पथ सीवान आंदर पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का स्थल निरीक्षण किया। इस पथ की कुल लंबाई 16.250 किलोमीटर है। मैप के माध्यम से अधिकारियों ने इस पथ के विषय में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। सीएम ने सारण एवं सीवान जिला अंतर्गत छपरा मांझी-दरौली-गुठनी पथ का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का स्थल निरीक्षण किया।

बनमनखी विधानसभा के विधायक की स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त

दरभंगा। दरभंगा में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और पुर्णिया जिला के बनमनखी विधानसभा के विधायक कृष्ण कुमार ऋषि की स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में विधायक गंभीर रूप से जख्मी हो गए है। फिलहाल उनका इलाज एक निजी हॉस्पिटल में चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक पूर्व मंत्री के नाक और सिर में चोट लगी है। घटना दरभंगा जिला के सदर थाना क्षेत्र के दिल्ली मोड़ बस स्टैंड के पास की है। विधायक कृष्ण कुमार ऋषि के साथ रहने वालों का कहना है कि विधायक पटना से पुर्णिया जा रहे थे इस दौरान दिल्ली मोड़ के पास उनकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस घटना में वह घायल हो गये। आननफानन में लोगों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

बिहार में एचएमपीवी वायरस को मात देने के लिए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में

केटी न्यूज/पटना

चीन में फैले एचएमपीवी वायरस को बिहार में मात देने के लिए कोरोना की तर्ज पर इंतजाम किए जाएंगे इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग ने केंद्र सरकार के दिशा-निर्देश के बाद सभी जिलों के जिलाधिकारियों, मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के प्राचार्य एवं अधीक्षक, सिविल सर्जनों को इस वायरस से बचाव के लिए कोरोना की तर्ज पर ही इंतजाम करने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, यह एक श्वसन तंत्र से जुड़ा हुआ वायरस है. इसके संक्रमण से बचने के लिए कोई विशेष एंटी वायरल या वैक्सीन अबतक उपलब्ध नहीं है।

कोविड के तर्ज पर होगी तैयारी: विभाग ने निर्देश दिया है कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा इन्फ्लूएंजा के समान बीमारी एवं सिवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी न्यूमोनिया (सारी) का सर्विलांस सुनिश्चित करते हुए इसको आईएचआईपी पोर्टल पर प्रतिदिन रिपोर्ट दी जाए। कोविड-19 से संबंधित दवा, किट, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन, मास्क इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके ट्रेंड पर ध्यान रखने और इसके बढ़ने की स्थिति में सभी अस्पतालों में संक्रमण नियंत्रण गतिविधियों

की सघन निगरानी करने को कहा गया है। अस्पताल में गंभीर रूप से भर्ती मामलों के सैंपल को राष्ट्रीय लैब में भेजकर जांच कराने के भी निर्देश दिए गए हैं जिससे एचएमपीवी की लैब में पुष्टि हो सके।

ये हैं एचएमपीवी वायरस का लक्षण: विभाग के अनुसार इसके लक्षणों में कफ, बुखार, नाक में संक्रमण, श्वास में परेशानी, गंभीर स्थिति में ब्रोंकाइटिस एवं न्यूमोनिया शामिल है। एचएमपीवी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में खांसने अथवा छींकने से फैलता है. साथ ही संक्रमित व्यक्ति को छूने, एवं संक्रमित वस्तुओं के मुंह, आंख अथवा नाक के संपर्क होने से फैल सकता है। सावधानी से इसे रोका जा सकता है।

राजस्व अधिकारी से सीओ तक 82 अधिकारियों का तबादला

पटना। बिहार सरकार ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में 82 अधिकारियों का तबादला किया है। इसमें राजस्व अधिकारी से लेकर अंचल अधिकारी तक के अधिकारी शामिल हैं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने तबादले की अधिसूचना जारी की है। औरंगाबाद निवासी निशांत कुमार को समस्तीपुर सरायगंज का अंचल अधिकारी बनाया गया है। नवादा के रहने वाले अरविंद कुमार चौधरी को पूर्वी चंपारण के हरसिद्धि का अंचल अधिकारी बनाया गया है। रोहतास जिला के राकेश कुमार सिंह को पटना जिला के बिहटा का अंचल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

सीएम प्रगति यात्रा नहीं बल्कि दुर्गति यात्रा पर कर रहे हैं पूरे प्रदेश का भ्रमण : तेजस्वी

केटी न्यूज/कैमूर

कैमूर पहुंचे बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार में दो-दो डिप्टी सीएम हैं। लेकिन कोई भी उनके द्वारा काम किया गया हो तो बता दें। तेजस्वी यादव ने कहा, इनके सरकार में एक बहाली भी नहीं निकलती, निकल भी रही है तो उसकी हालत देखी रहे हैं। हमारे आने से पहले सरकार में पेपर लीक जाने के बाद भी पेपर लीक छात्र आंदोलन कर रहे हैं और सरकार लाठीचार्ज कर रही है। स्टेट में यही उनके साथ में अन्याय हो रहा है। बिहार में कोई सरकार नाम की चीज नहीं रह गई है। इसलिए कहना पड़ रहा है कि माननीय मुख्यमंत्री बिहार के मौन हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा के नाम पर दो अरब 25 करोड़ 78 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। आप कह रहे हैं कि बिहार गरीब राज्य है और

दूसरी तरफ आप यात्रा पर चल रहे हैं। यह यात्रा अधिकारियों की लूट की छूट की यात्रा है। यह प्रगति यात्रा नहीं दुर्गति यात्रा है। क्यों नहीं अब भाजपा के लोग बिहार का विशेष राज्य का दर्जा दिला देते हैं। जहां बिहार में पलायन और बेरोजगारी को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि युवाओं के पलायन पर रोकने के लिए सरकार कोई काम नहीं कर रहे है। केवल अपना वादा पूरा करने के नाम पर शिक्षकों को बार-बार नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। इससे अधिक हास्यास्पद क्या हो सकता है।

आमरण अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर की अचानक बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

केटी न्यूज/पटना

बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में दो जनवरी से आमरण अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर की मंगलवार सुबह तबीयत अचानक बिगड़ गई है। पटना के मेदांता अस्पताल के डाक्टरों की टीम पीके के स्वास्थ्य का जांच करने शेखपुरा हाउस पहुंची। हालत देखकर डॉक्टरों की टीम ने अस्पताल ले जाने का सुझाव दिया। इसके बाद उनके समर्थकों ने उन्हें एंबुलेंस में लेकर मेदांता अस्पताल गई। यहां उनका इलाज जारी है। प्रशांत किशोर के समर्थकों का कहना है कि मंगलवार सुबह 10 बजे तक लोगों से बातचीत कर रहे थे। कुछ देर बाद अचानक वह

अचेत हो गए। इसके बाद मुंह पर पानी के छींटें मारकर हम लोगों ने होश में लाया। फौरन डॉक्टरों को बुलाया गया। जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल जाने की सलाह की। डिहाइड्रेशन समेत अन्य कुछ बातें समाने आईं है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। डॉक्टर रविशंकर ने बताया कि उनकी जांच की जाएगी, उनकी स्थिति अभी स्थिर है। डॉक्टर ने बताया कि ठंड में बैठे थे इसलिए तबियत बिगड़ी, सभी तरह की जांच की जाएगी फिर शाम में एक रिपोर्ट जारी किया जाएगा। बता दें कि पटना के गांधी मैदान में आमरण अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर को पटना पुलिस सोमवार सुबह करीब चार बजे गिरफ्तार कर लिया था। करीब पांच घंटे बाद उन्हें जांच के लिए फतुहा सीएचसी ले जाया गया। लेकिन, पीके ने स्वास्थ्य जांच से मना कर दिया। इसके बाद पटना पुलिस ने उन्हें सिविल कोर्ट में पेश किया। पटना पुलिस ने प्रशांत किशोर पर सरकारी काम में बाधा और बिना अनुमति धरना प्रदर्शन करने का आरोप लगाकर केस किया। कोर्ट ने केस की सुनवाई की।

जेडीयू से ललन प्रसाद बने बिहार विधान परिषद् के प्रत्याशी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई सुनील सिंह की सदस्यता समाप्त होने के बाद खाली हुई सीट पर उपचुनाव होना है। यह सीट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में जनता दल यूनाईटेड के खाते में गई है। चर्चा थी कि लोकसभा चुनाव में जी-तोड़ मेहनत करने वाले पूर्व आईएएस अधिकारी मनीष वर्मा के लिए इस सीट के लिए मजबूत उम्मीदवार माने जा रहे थे। लेकिन, जदयू ने उन्हें बड़ा झटका दे दिया। यह सीट शेखपुरा निवासी जदयू नेता ललन प्रसाद को दे दी। ललन प्रसाद धानुक जाति से आते हैं। इस मामले के बाद जदयू के अंदरखाने से यह खबर निकलकर सामने आ रही है कि मनीष वर्मा का विरोध पार्टी कुछ कुछ शीर्ष नेताओं ने ही कर दिया।

विष्णुपद मंदिर के देवघाट पर अपने पूर्वजों की मोक्ष की कामना के लिए पिंडदान कर रहे हैं

गया के मिनी पितृपक्ष मेला में कड़ाके की ठंड और कोहरे के बीच तीर्थ यात्री कर रहे पिंडदान

केटी न्यूज/गया

गया जिले में मिनी पितृपक्ष मेला का नजारा कुछ अलग दिख रहा है। ठंड के कारण कोई घर से नहीं निकलते हैं। वहीं, गया में देश के विभिन्न राज्यों से गया धाम पहुंचकर अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान कर रहे हैं। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बीच गया के विष्णुपद मंदिर के देवघाट पर हजारों तीर्थयात्री अपने पूर्वजों की मोक्ष की कामना के लिए पिंडदान कर रहे हैं।

खुले आसमान और घने कोहरे के नीचे बैठकर कई राज्यों के आए पिंडदानी पिंडदान व तर्पण कर रहे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि श्रद्धा पर ठंड भारी नहीं है। यही

कारण है कि अपने पूर्वजों की मोक्ष की कामना के लिए पिंडदानी ठंड में भी पिंडदान कर रहे हैं। बता दें कि गया के विष्णुपद ही नहीं बल्कि बोधगया भी घना कोहरा छाया हुआ है। जहां ठीक से महाबोधि मंदिर भी कोहरे के कारण दिखाई नहीं दे रही है। लेकिन पर यहां भी पर्यटक काफी संख्या में पहुंच रहे हैं और भगवान बुद्ध के दर्शन व पूजा कर रहे हैं। बता दें कि ठंड के कारण जिला प्रशासन के द्वारा ठंड को देखते हुए आठवीं क्लास तक सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। अभी आठ डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया जा रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि गया में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इस बीच गया के विष्णुपद के देवघाट और अन्य वेदियों पर पूर्वजों के श्रद्धा के प्रति ठंड भी लोगों को महसूस नहीं हो रही है। गया के रबड़ डैम में तर्पण कर रहे हैं। बता दें कि अभी मिनी पितृपक्ष मेला चल रहा है, जहां विभिन्न राज्यों से तीर्थ यात्री गया पहुंच रहे हैं। तीर्थयात्री ने भी कहा कि हम लोग अपने पूर्वजों की मोक्ष की कामना के लिए पिंडदान कर रहे हैं। मान्यता के अनुसार जब तक गया में पिंडदान नहीं होता है। पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो पाती है। इस कारण लोग देश-विदेश से यहां पर अपने पितरों को पिंड देने के लिए आते है। ताकि उन्हें मोक्ष मिल सके।

सर्द पछुआ हवा ने बढ़ाई कनकनी: शीतलहर से जनजीवन अस्त व्यस्त, नहीं खिली धूप

- 10 डिग्री के नीचे पहुंचा न्यूनतम तापमान, पूरे दिन घरों में दुबके रहे लोग
- आदमी से लेकर जानवर तक परेशान, बाजार में छाई मायूसी, फसलों के चौपट होने का बढ़ा खतरा

बक्सर स्टेशन पर देर रात ठंड से बचने के लिए एक साथ बैठे बंदर।

केटी न्यूज/बक्सर

शीतलहर का प्रकोप अब अपने चरम पर पहुंच गया है। जिले में मंगलवार को दिन काफी सर्द रहा। सुबह से चल रही तेज पछिया हवा के कारण पारा लुढ़ककर 10 डिग्री के नीचे पहुंच गया। मंगलवार को बक्सर का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। जबकि सर्द हवाओं के कारण कनकनी बढ़ी रही। पूरे दिन धूप नहीं निकलने से लोगों की परेशानी बढ़ी रही तथा लोग घरों में दुबके रहे।

बता दें कि जिले में पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से शीतलहर का दौर जारी है। आज ठंडी पछिया हवा का रफ्तार भी काफी अधिक था, जिस कारण लोगों को पूरे दिन ठिठुरन महसूस हुई। वही, इस भीषण ठंड व शीतलहर के कारण आदमी से लगायत पशु पक्षी तक परेशान दिखे। शीतलहर के प्रकोप के कारण सड़के पूरे दिन वीरान रही। बहुत कम लोग घरों से निकल रहे थे। जो जरूरी काम से घर से बाहर आ रहे थे, वे भी पूरे शरीर को ढंक ही निकल रहे थे। सर्दी के कारण लोग घर में भी अलावे जलाने को मजबूर हुए। हालांकि, जो आर्थिक रूप से संपन्न है, वे अपने घरों को हिटर, ब्लोवर आदि इलेक्ट्रानिक संसाधनों से गर्म कर सर्दी से निजात पा रहे थे, लेकिन गरीब तबके के लिए यह सर्द मौसम किसी बड़ी मुसीबत से कम साबित नहीं हो रही है।

नाकाफी साबित हो रहा है अलाव की व्यवस्था : हालांकि, ठंड से निजात दिलाने के लिए बक्सर व डुमरांव नगर परिषद प्रशासन द्वारा अलाव की व्यवस्था की गई है। दोनों शहरों के कई हिस्सों में व्यवस्था का अलाव तो जल रहा है, लेकिन लोगों की आबादी व शीतलहर में यह व्यवस्था भी नाकाफी साबित हो रहा है। जिस कारण लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

नहीं हुए सूर्य के दर्शन : मंगलवार को तेज पछिया हवा के साथ ही सूर्य देव भी गायब हो गए थे। पूरे दिन सूर्य के दर्शन नहीं हुए। धूप नहीं निकलने से भी लोगों को सर्दी का एहसास अधिक हुआ। बता दें कि सोमवार को चटक धूप निकली थी तथा हवा भी नहीं चल रही थी। जिससे लोगों को ठंड से राहत मिली थी, लेकिन मंगलवार की सुबह से ही जारी शीतलहर ने लोगों को परेशान कर दिया है।

बढ़ गई है लोगों की परेशानी

बता दें कि शहर के स्लम बस्तियों व झुग्गी-झोपड़ियों में निवास करने वालों की मुश्किल इस ठंड में बढ़ गई है। उनके घर तो इस कदर है कि बदन को भेद देने वाली ठंडी पछिया हवा से राहत दिला सकें और न ही उनके पास पर्याप्त गर्म कपड़े है। जिस कारण शीतलहर के दौरान वे जैसे तैसे जीवन यापन कर रहे है। इस शीतलहर के कारण लोगों की दिनचर्या भी पूरी तरह से गड़बड़ा गई है।

बाजार में पसरा सन्नाटा

शीतलहर का सबसे बुरा असर व्यवसाय पर पड़ा है। बक्सर व डुमरांव के अलावे ग्रामीण क्षेत्रों के बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा, जबकि सड़के भी वीरान रही। शीतलहर के कारण बाजार में मंदी का दौर जारी है। डुमरांव के चर्चित कांत गारमेंट्स के प्रोपराइटर विवेक कांत, किराना व्यवसायी बबलू जायसवाल आदि ने बताया कि पूरे दिन ग्राहक नहीं आए। दुकानदारों का कहना है कि जबसे ठंड बढ़ी है तबसे दुकानदारी बाधित हो रही है।

जानवर भी परेशान

ठंड का सितम ऐसा है कि आदमी के साथ जानवर भी परेशान दिखे। मंगलवार को बक्सर रेलवे स्टेशन पर बंदरों का एक झुंड ठंड के कारण आपस में सिकुड़कर बैठे थे। उन्हें देख ऐसा लगा रहा था जैसे वे एकजुट हो शीतलहर के थपेड़ो से बचने का प्रयास कर रहे है।

खबरें फटाफट

शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के दखिनांव गांव स्थित एक गैराज पर छापेमारी कर शराब की खेप के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान स्थानीय गांव निवासी विद्यासागर सिंह के पुत्र विकास कुमार सिंह के रूप में की गई है। उसके पास से 8पीएम ब्रांड 180 एमएल का 12 पीस फूटी पैक शराब बरामद हुआ है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि दखिनांव गांव का विकास कुमार अपने गैरेज में शराब की खेप मंगवाया है।

मारपीट में छह नामजद

चौसा। मुफस्सिल थाना के गुरदासपुर मठिया में धान की भूसी नहीं हटाये जाने पर बेवजह कुछ लोगों द्वारा एक व्यक्ति के परिवार के साथ मारपीट की गई। जिसमें पति-पत्नी व पुत्र घायल हो गए। जिसको लेकर पीड़ित द्वारा मुफस्सिल थाने में प्राथमिकी दर्ज हेतु आवेदन दिया गया है। आवेदन के अनुसार बबन राम घर के बगल स्थित स्कूल के पास सोमवार की शाम धान कुटवाया जहा चावल हटा लिया और देर शाम होने पर भूसा सुबह हटाने को कहा। इतने में कुछ अगल-बगल के लोग आए भूसा नही हटाने पर उससे मारपीट करने लगे। जिसे बचाने आये पत्नी व पुत्र की भी पिटाई कर दी।

परेशानी: बक्सर से कृष्णाब्रह्म तक खड़ी थी ट्रक तथा अन्य मालवाहक वाहन

यूपी प्रशासन की लापरवाही से बिहार में 25 किलोमीटर तक लगा महाजाम

- सोमवार की शाम से ही लगा था जाम, उत्तर प्रदेश के भरौली के पास सड़क निर्माण से बनी है परेशानी

केटी न्यूज/बक्सर

यूपी प्रशासन की लापरवाही व लचर ट्रैफिक व्यवस्था के चलते बिहार के बक्सर पटना फोरलेन सड़क पर महाजाम लग रहा है। सोमवार की शाम से शुरू हुआ जाम का सिलसिला मंगलवार की दोपहर तक जारी था। इस दौरान बक्सर से कृष्णाब्रह्म तक करीब 25 किलोमीटर के दायरे में एनएच 922 पर जगह जगह ट्रक तथा अन्य मालवाहक वाहन फंसे रहे। इस दौरान छोटे व दुपहिया वाहन चालकों के अलावे एंबुलेंस चालकों को भी फजीहत झेलनी पड़ी। वही, यूपी में ट्रकों का परिचालन सुस्त होने से स्थानीय प्रशासन चाहकर भी कुछ नहीं कर सका।

मिली जानकारी के अनुसार यूपी में बने एक्सप्रेस वे को लिंक करने के लिए भरौली से एक नई सड़क बनाई जा रही है। इस सड़क के बनाने के दौरान भरौली के पास जाम लग रहा है। सोमवार की शाम यूपी पुलिस द्वारा वहां ट्रकों का परिचालन रोक-रोक कर करा रही थी। इधर एनएच 922 पर ट्रकों की लंबी लाईन लग गई थी। जिस कारण सोमवार की शाम से ही यह सड़क जाम के हवाले हो गई थी। मंगलवार को भी यही सिलसिला जारी था। सुबह से ही जाम में वाहन चालक फंसते रहे तथा उन्हें डुमरांव से बक्सर जाने में महज 18-20 किलोमीटर की दूरी के लिए घंटो परेशान होना पड़ा।

ट्रक चालक भी हुए परेशान : बता दें कि एनएच पर हर दिन जाम लगने से ट्रक चालक भी परेशान हो गए है। एक तरफ शीतलहर अपने पूरे सबाव पर है। भयंकर शीतलहरी में जाम लगने से सैकड़ो ट्रक चालकों को सड़क पर ही रात कटानी पड़ी। इस दौरान उन्हें खाना-पानी के लिए भी परेशान होना पड़ा। कई चालक तो जाम लगने के बाद सड़क किनारे ही स्टोव या गैस चूल्हा या फिर लकड़ी जला खाना पकाते दिखे। ट्रक चालक मनोज यादव, रिंकू कुमार, दिनेश चौधरी, मो. इश्तियाक आदि ने बताया कि एक पखवाड़े से अधिक समय से एनएच 922 पर बलिया मार्ग पर जाम की समस्या गंभीर हो गई है। ट्रक चालकों ने बताया कि उन्हें हर दिन जाम का सामना करना पड़ रहा है। मौसम के थपेड़ो के साथ ही ट्रक चालकों को इन दिनों यूपी प्रशासन की बदइंतजामी की मार भी झेलनी पड़ रही है। जिस कारण ट्रक चालकों में आक्रोश गहराने लगा है।

परेशान हुए स्कूली बच्चों से लेकर नौकरी पेशा लोग : एनएच के रास्ते स्कूल, कॉलेज व कोचिंग जाने वाले छात्र-छात्राओं के साथ ही नौकरी पेशा करने वाले लोगों को इस जाम से खासी परेशानी हुई। कई लोग तो जाम के कारण अपने कार्यस्थल पर विलंब से पहुंचे, जबकि छात्रों की पढ़ाई तक छूट गई। छात्र अभिषेक सिंह, अनामिका कुमारी, मोनी कुमारी, सुमन कुमारी आदि ने बताया कि उन्हें बक्सर जाने के बावजूद आज का क्लास छूट गया है। छात्रों ने एनएच पर लगने वाले जाम से मुक्ति दिलाने की मांग की है।

फोरलेन सड़क का नहीं मिल पा रहा है लाभ : एनएच 922 का जब चौड़ीकरण हुआ तथा यह सड़क टू लेन से फोर लेन में तब्दील हुई थी, तब लोगों को लगा था कि जाम से मुक्ति मिल जाएगी। लेकिन इन दिनों यूपी में सड़क निर्माण सहित अन्य कारणों से ट्रकों का परिचालन रूक-रूक कर कराया जा रहा है। जिससे फोरलेन बनने के बाद भी लोगों को बेहतर टैफिक व्यवस्था नहीं मिल पा रही है।

लापरवाही से लग रहा जाम

"जाम की सूचना पर पुलिस टीम भेजा गया था। यूपी प्रशासन की लापरवाही से यहां जाम लग रहा है। यूपी-बिहार के बीच हर दिन हजारों ट्रकों का परिचालन होता है। यूपी पुलिस व प्रशासन को मुश्तैदी दिखानी होगी, तभी जाम से निजात मिल सकती है। - **अफाक अख्तर अंसारी, एसडीपीओ, डुमरांव**

एक नजर

एसडीपीओ ने बैंक की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किया निरीक्षण

सिमरी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अफाक अख्तर अंसारी ने प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक का निरीक्षण किया। जिसमें उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिकोण से कई सवाल किये निरीक्षण के बाद बैंक प्रबंधक को सुरक्षा के मध्य नजर आवश्यक गाइडलाइन व कर्मियों को दशार्ते हुए उसे दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। ताकि आम लोगों के रूपयो व बहुमूल्य संपत्ति की सुरक्षा में सेंधमारी ना हो सके। निरीक्षण के बाद डीएसपी ने बातचीत करते हुए बताया कि जिले में ऐसे पांच सौ संवेदनशील पॉइंट चिन्हित किए गए हैं। जिनका अलग-अलग समय पर सुरक्षा जायजा लिया जाएगा। ताकि वहां सुरक्षा में होने वाली कमियों को चिन्हित कर उन्हें दुरुस्त किया जा सके। ताकि कोई भी अवांछित तत्व अपने नापाक मंसूबों में कामयाब ना हो सके।

बिहार स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में रूद्र ने प्रथम स्थान पाकर डुमरांव का नाम किया रौशन

डुमरांव। स्थानीय सीपीएसएस हाईस्कूल के छात्र रूद्र कुमार ने राज्यस्तरीय स्पोर्ट्स आर्म रेसलिंग चौंपियनशिप 2025 की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाकर स्कूल सहित डुमरांव का नाम रौशन किया। मंगलवार को स्कूल पहुंचने पर प्रधानाध्यापक डॉ. मो. अश्फाक और नोडल पदाधिकारी काश्मीरा अंसारी ने परिसर में छात्र को बधाई देते हुए मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान प्रधानाध्यापक ने बताया कि संपूर्ण बिहार के प्रतियोगिता में स्कूल के छात्र द्वारा अव्वल आने के बाद शिक्षकों की टीम ने बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। इससे पूरे जिले का मान-सम्मान बढा हैं। इस तरह की प्रतियोगिता से बच्चों में हौसला और जुनून बढा हैं। वहीं दूसरी ओर शिक्षा परियोजना बक्सर के निर्देश पर स्कूल में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं द्वारा दुश्मनों से बचाव व आत्मरक्षा को लेकर कई गुर सीखे। मौके पर शिक्षक राजन कुमार, शिवजी सिंह, बृजेश कुमार शुक्ला, अशोक कुमार, रविरंजन सहित अन्य उपस्थित थे।

गोद भराई के दौरान गर्भवतियों को मिली जानकारी

चक्की। प्रखंड के लक्ष्मण डेरा स्थित वार्ड संख्या 16 के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 41 में आज गोद भराई कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती माताओं को स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में आईसीडीएस की महिला पर्यवेक्षक रेणु प्रभा, आंगनबाड़ी सेविका रूबी यादव, और पीरामल से डीपीएचओ सिद्धार्थ गौतम ने गर्भवती महिलाओं को स्वस्थ आहार, नियमित जांच, और टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी। गर्भवती महिलाओं को पोषण संबंधी कई अहम पहलुओं पर जागरूक किया गया। गर्भावस्था में आवश्यक पोषक तत्व, स्वस्थ जीवनशैली की आदतें, समय पर टीकाकरण और नियमित जांच की अनिवार्यता। इस अवसर पर सुभांति देवी, बेबी देवी, गुड़िया देवी, अनु कुमारी, गुड़िया कुमारी और सावित्री देवी सहित ग्रामीण महिलाएं भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में गर्भवती माताओं ने बताया कि पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उनके लिए बहुत उपयोगी रही।

सिमरी बाजार से हटाया गया 83 लोगों द्वारा किया गया अतिक्रमण, मौजूद रहे एसडीपीओ एवं सीओ

केटी न्यूज/सिमरी

अनुमंडल एवं प्रखंड प्रशासन की टीम ने मंगलवार को सिमरी बाजार में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान बाजार में सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर चलाकर मुक्त करा दिया गया। अतिक्रमण हटाने के बाद प्रशासन द्वारा अतिक्रमणकारियों को आगे अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी भी दी गई। इस दौरान डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी, अंचलाधिकारी भगवती शंकर पांडेय, राजस्व पदाधिकारी राहुल सिंह समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद थी।

जानकारी के अनुसार प्रखंड के तीनों थानाध्यक्ष एवं भारी संख्या में पुलिस बल के के साथ प्रशासनिक टीम सिमरी बाजार में जैसे ही जेसीबी लेकर पहुंची दुकानों के बाहर फुटपाथों पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में दुकानदार स्वयं ही अपना सामान समेटने में जुट गये। जिससे टीम को अतिक्रमण हटाने में कुछ कम परिश्रम करना पड़ा। इस दौरान ठेला खोमचा वाले अपने-अपने ठेला लेकर रफूचक्कर हो गए।

हालांकि कुछ जिद्दी मिजाज के दुकानदारों द्वारा सड़क के दोनों ओर फुटपाथ पर तख्त, मेज आदि रखकर किए गए अतिक्रमण को टीम द्वारा हटवाया गया। गौरतलब हो कि अवैध कब्जा के आरोप में 83 लोगों को प्रशासन द्वारा चिन्हित कर नोटिस निर्गत किया गया था, लेकिन जिन लोगों को नोटिस दिया गया वो लोग विभागीय खानापूर्ति समझकर बेफ्रिक हो गए थे, लेकिन मंगलवार को प्रशासन को पूरे लाव लश्कर के साथ देखकर सभी अचंभित हो गए। जानकारी के अनुसार इस दौरान 50 स्थायी व 33 लोग अस्थायी रूप से सरकारी जमीन पर कब्जा जमाए हुए थे, जिसको अंचल प्रशासन द्वारा हटाया गया। बहरहाल बाजार को अतिक्रमण मुक्त होता देख काफी लोग खुश दिखे इसलिए प्रखंड के सबसे ज्यादा व्यस्त बाजार हर समय महाजाम की चपेट से ग्रसित था। सीओ ने बताया कि दुबारा अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बक्सर के प्रसिद्ध व्यवसायी राजकमल सिंह उर्फ पाठा सिंह को अर्पित किए गए श्रद्धासुमन

केटी न्यूज/बक्सर

शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी व कृष्णा हार्डवेयर के संस्थापक राजकमल सिंह उर्फ पाठा सिंह पिता श्रीकृष्ण कुमार सिंह के असामयिक निधन से जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

बता दें कि वे मूल रूप से नावानगर प्रखंड के बेलहरी गांव के रहने वाले थे तथा मात्र 48 वर्ष की उम्र में इलाज के दौरान दिल्ली के मेदांता अस्पताल में उनका निधन हो गया। वे अपने पीछे पत्नी, पुत्री जयंती सिंह एवं पुत्र युवराज सिंह को छोड़ गए हैं।

उनके भतीजा दीपक सिंह एवं कांग्रेस नेता डॉ. सत्येंद्र ओझा की अगुवाई में बायपास रोड स्थित निजी आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने की। मौके पर प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजेश मिश्र, शिवदयाल आईटीआई के संचालक संतोष सिंह, नगर परिषद बक्सर के चेयरमैन प्रतिनिधि नियमतुल्लाह फरीदी समेत कई गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजेश शर्मा ने किया। मौके पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय, धीरेंद्र पांडेय, संतोष उपाध्याय, वार्ड पार्षद लक्ष्मण उपाध्याय, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव पंकज उपाध्याय, जोगेंद्र सिंह, अजय सिंह, मनोज उपाध्याय, सुरंजन राय, संजय राय, नीरज सिंह, पप्पू सिंह, मंथन सिंह, अभय कुमार सिंह, मुन्ना सिंह, संजय कुमार सिंह, अमरेंद्र प्रताप सिंह, दिलीप कुमार सिंह, कुणाल सिंह, भारत भूषण सिंह, ओम आदित्य एवं बक्सर के प्रतिष्ठित समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सदर अस्पताल में बेटी को जन्म देने वाली मां को किया गया सम्मानित

बक्सर में लिंगानुपात बढ़ाने के लिए सक्रिय हुआ जिला प्रशासन

- आईसीडीएस की डीपीओ ने दिया फल की टोकरी व कीट

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में घटते लिंगानुपात ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। जिला प्रशासन अब लिंगानुपात को बराबर की दिशा में सक्रिय हो गया है। इस प्रयास के तहत जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग द्वारा जहां लोगों को बेटा और बेटी में फर्क नहीं करने के लिए जागरूक किया जा रहा है तो दूसरी तरफ कई कार्यक्रम भी चलाए जा रहे है। वही बेटी को जन्म देने वाली मां को सम्मानित भी किया जा रहा है। सदर अस्पताल, बक्सर में मंगलवार को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से जिलांतर्गत लिंगानुपात बढ़ाने के प्रयासो पर चर्चा किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं है। बेटियों ने हर क्षेत्र में अपना नाम रौशन किया है।

इस अवसर पर कन्या शिशुओं के लिए जॉनशन बेबी कीट और उनकी माताओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए फल की टोकरी देकर बेटी को जन्म देने के लिए सम्मानित किया गया। यह वितरण आईसीडीएस की जिला प्रोग्राम पदाधिकारी रंजना कुमारी द्वारा किया गया। साथ ही उन्हें लैंगिक भेदभाव, लिंग आधारित हिंसा, पीसीपीएनडीटी ऐक्ट, महिलाओं के सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि बक्सर में लड़को के मुकाबले लड़कियों का अनुपात कम होना चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि इस लिंगानुपात को बढ़ाना हम सबका दायित्व है। यदि हम अभी नहीं चेते तो आने वाले दिन में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने लोगों से बेटा व बेटी में फर्क नहीं करने की अपील की और कहा कि आज के समय में बेटियां हर क्षेत्रों में बेटों से आगे निकल रही है।

कार्यक्रम के दौरान उपाधीक्षक सदर अस्पताल बक्सर, जिला परियोजना प्रबंधक, जिला मिशन समन्वयक, लैंगिक विशेषज्ञ एवं केंद्र प्रशासक आदि उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

पंचायत भवन पर मुखिया ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लगाया शिविर

केसठ। प्रधानमंत्री आवास योजना से अभितक वंचित योग्य लाभुकों से प्रखंड के रामपुर पंचायत भवन पर मंगलवार को शिविर आयोजित कर प्रधानमंत्री आवास योजना के योग्य लाभुकों से आवेदन लिया गया। यह शिविर 7 जनवरी से 11 जनवरी तक लगेगा। शिविर के पहले दिन 250 लोगों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए फॉर्म जमा किया है। वही मुखिया द्वारा पंचायत भवन पर लगाए गए शिविर को बीडीओ ने सरकार के नियम के विरोध बताया है। इसके लिए मुखिया प्रतिनिधि बसंत पांडेय से स्पष्टीकरण मांगे जाने की बात एक लोकल वॉट्सएप ग्रुप में की है। वही मुखिया प्रतिनिधि बसंत पांडेय द्वारा पंचायत भवन पर शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के फॉर्म जमा करने की तस्वीर शेयर करते हुए एक ऑडियो जारी किया गया है। जिसमे शिविर पंचायत भवन पर 7 जनवरी से 11 जनवरी तक आयोजित कर योग्य लाभुक से फॉर्म लेने की बात कही गई है, साथ ही किसी द्वारा पैसे की मांग करने पर पंचायत के मुखिया के दूरभाष पर या मिलकर शिकायत करने की अपील की गई है। वाट्सएप ग्रुप पर बीडीओ द्वारा सरकार के नियम के विरोध बताया जाने पर कई सदस्यो ने भी अपनी प्रतिक्रिया दिया है। बीडीओ ने कहा कि सरकार के दिशा निर्देश को दरकिनार कर किया जा रहा है। इसके लिए मुखिया प्रतिनिधि से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

डुमरांव चैलेंजर ट्राफी टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता, एसडीएम ने किया मैच का उद्घाटन

रोमांचक मैच में गाजीपुर ने बक्सर को एक ओवर शेष रहते 4 विकेट से हराया

राज हाई स्कूल में राष्ट्रगान के दौरान खड़े खिलाड़ी व स्कूली बच्चे।

- एसडीएम व थानाध्यक्ष ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया
- गाजीपुर के अनिल को मिला मैन ऑफ द मैच

केटी न्यूज/डुमरांव

संत जॉन सेकेंड्री स्कूल, डुमरांव के तत्वावधान में कराए जा रहे चैलेंजर ट्रॉफी 2025, टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा मुकाबला मंगलवार को बक्सर और गाजीपुर की टीमों के बीच खेला गया। यह मैच काफी रोमांचक रहा तथा अंत तक दर्शक टस से मस नहीं हुए। हालांकि, मैच का परिणाम गाजीपुर के पक्ष में गया। एक ओवर व एक गेंद शेष रहते गाजीपुर की टीम ने छह विकेट खो लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच में आलराउंड प्रदर्शन करने वाले गाजीपुर के अनिल यादव को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

मैच में बक्सर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। बक्सर की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवरों के खेल में अपने सात विकेट गंवाकर 160 रन बनाए। बक्सर की तरफ से रतन ने सबसे अधिक 49 रन की पारी खेली। गाजीपुर की तरफ से गेंदबाजी करते हुए अनिल यादव ने तीन विकेट चटकाए।

161 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गाजीपुर की टीम ने 14.5 ओवर में छह विकेट गवां लक्ष्य हासिल कर लिया। गाजीपुर की तरफ से अनिल यादव ने 42 रन की तेज तर्रार पारी खेली। बक्सर की तरफ से अमित कुमार सिंह ने तीन विकेट हासिल किया। इस प्रकार गाजीपुर की टीम ने दूसरे मुकाबले को चार विकेट से जीता।

आलराउंड प्रदर्शन करने वाले अनिल यादव को मिला मैन ऑफ द मैच : आज के मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अनिल यादव को अंग्रेजी शिक्षक मिस्टर मनोज और अजितेश कुमार के द्वारा दिया गया, जिन्होंने बल्लेबाजी में 27 गेंद का सामना कर के चार छक्के और तीन चौकों की मदद से 42 रन बनाए और अपने टीम के लिए तीन विकेट झटके। आज के कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता के रूप में डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार जी मौजूद रहे।मैच में कॉमेंटेटर के रूप में मनोज कुमार और अजितेश कुमार उपस्थित रहे। स्कोरर के रूप में चेतन रहे और अंपायर की भूमिका में रौनक और

तन मन को स्फूर्त रखता है खेलकूद: एसडीएम

इसके पूर्व इस मैच का उद्घाटन डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने किया। उन्होंने फीता काट तथा दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। वही, एसडीएम ने अपने संबोधन में कहा कि खेलकूद व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि खेलकूद से तन-मन स्फूर्त रहता है। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने की नसीहत दी और कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अभी से ओलंपिक 2036 की तैयारी में जुट गई है। उन्होंने आयोजनकर्ता को इस आयोजन के लिए साधुवाद दिया।

एक लाख एक हजार की है इनामी प्रतियोगिता

सह निदेशक शुभम सिंह ने कहा कि यह टेनिस बाल प्रतियोगिता एक लाख एक हजार रूपए की इनामी है। फाइनल मुकाबला जीतने वाली टीम को यह राशि मिलेगी। जबकि उप विजेता को 51 हजार रुपये, मैन ऑफ द सीरिज को 5100 तथा प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच पाने वाले खिलाड़ी को 1100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। जबकि विजेता को विनर व उप विजेता को रनर कप मिलेगा। उन्होंने कहा कि खेलकूद को बढ़ावा देने के उदेश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है।

मैच की कुछ झलकियां...

मैच का उद्घाटन करते डुमरांव एसडीएम।

मैच के पूर्व टॉस करते डुमरांव एसडीएम व अन्य।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते डुमरांव एसडीएम व अन्य।

मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार वितरित करते अतिथिगण।

एक नजर

नीतीश कुमार की सरकार में महिलाएं बनी हैं सशक्त और आत्मनिर्भर: प्रीति पटेल

डुमरांव। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में महिलाएं आत्मनिर्भर और सशक्त बनी है। साथ ही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर व स्वालंबी हुई है। उक्त बातें मंगलवार को जदयू महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष प्रीति पटेल ने प्रखंड के मठिला गांव में प्रकोष्ठ के कार्यकताओं के साथ डोर-टू-डोर संपर्क कर कहा। उन्होंने बिहार के विकास और महिलाओं को मिलने वाली योजनाओं को लेकर गांववासियों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार की योजनाओं से बिहार की तस्वीर बदली है और विकास की धारा गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचा हैं। उन्होंने बताया कि महिलाओं के प्रति सूबे की सरकार दर्जनों योजनाएं चला रही हैं। जिसका लाभ गरीब-गुरबों के बीच पहुंच रहा हैं। सरकार की विकासरूपी योजनाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और हर गांवों के सड़क निर्माण से आम जनता को काफी लाभ मिला है। उन्होंने विश्वास जताया कि डुमरांव विधानसभा की जनता नीतीश कुमार की नीतियों से प्रभावित होकर आगामी चुनाव में जदयू समर्थित एनडीए को पूर्ण बहुमत देंगी। जन अभियान में महिला प्रकोष्ठ के डुमरांव प्रखंड अध्यक्ष सोनी देवी, जिला उपाध्यक्ष नीलम देवी, बक्सर प्रखंड अध्यक्ष कंचन देवी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

बढ़ते ठंड में क्षेत्र में आलू की खेती प्रभावित, प्रखंड के किसानों में बढ़ी चिंता

केसठ। प्रखंड में ठंड काफी बढ़ गयी है। ठंड के कारण कुछ फसलों पर बुरा प्रभाव भी पड़ने लगा है। कई फसल ज्यादा ठंड नहीं सहन कर पाते हैं। सबसे ज्यादा नुकसान आलू की फसल को होता है। ठंड से प्रखंड में आलू की फसलों को क्षति पहुंच रही है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गयी है। पाला पड़ने के आसार नजर आ रहे हैं। फसलों को क्षति पहुंचने से किसानों को काफी आर्थिक क्षति उठानी पड़ेगी। कई जगह आलू के फसल में झूलसा रोग लग चुका है। इससे आलू की फसल काफी खराब हो चुके हैं। किसानों की उम्मीद पर पानी फिर रहा है।प्रखंड में 2 हेक्टेयर में होती है आलू की खेती प्रखंड भर में 2 हेक्टेयर में किसान आलू की खेती करते हैं।इससे किसान अपने घर के लिए आलू के खर्च के बाद आलू को बाजार में भेज देते हैं। इससे उन्हें लाभ ही होता है। वहीं, जब ठंड व पाला से आलू की खेती को क्षति पहुंचती है, तो किसानों को काफी आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ती है।

योजनाओं का समय पर और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें: बीडीओ

केटी न्यूज/केसठ

मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर में बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग के कार्यों की समीक्षात्मक बैठक किया गया। बैठक में सभी पंचायतों के पंचायत सचिव, पंचायत लेखापाल, कार्यपालक सहायक, लेखा सहायक आदि ने भाग लिया।

बैठक में पंचायतों में चल रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। जिसमें प्रमुख रूप से पेडल रिक्शा-ई रिक्शा की मरम्मत, घर-घर कचरा उठाव, सामुदायिक स्वच्छता परिसर की मरम्मत, यूजर चार्ज संग्रहण और पंचायत में चल रही अन्य योजनाओं का विस्तार से चर्चा किया गया। बैठक के दौरान बीडीओ ने पंचायत सचिवों और अन्य अधिकारियों से इन योजनाओं की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का समय पर और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से पेडल रिक्शा और ई रिक्शा की मरम्मत को प्राथमिकता देने की आवश्यकता जताई गई, ताकि स्वच्छता से संबंधित कार्यों में कोई विघ्न न आए। साथ ही घर-घर कचरा उठाव की प्रक्रिया को और बेहतर बनाने की दिशा में

भी कदम उठाए जाने की बात कही गई। उन्होंने षष्ठम और 15 वीं वित्त के अंतर्गत ली गई योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा किए। उन्होंने बताया कि कतिकनार पंचायत की निष्पादन सबसे बेहतर है जब की रामपुर पंचायत की निष्पादन नगण्य है। वही केसठ की निष्पादन सामान्य है। बीडीओ ने केन्द्र व राज्य वित्त योजनाओं से संबंधित भौतिक व वित्तिय प्रतिवेदन हर सप्ताह जमा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों से बेहतर समन्वय स्थापित कर काम करें। पंचायत स्तर पर पंचायत कार्यालय को सशक्त बनाया जाए। पंचायत स्तर के सभी विभागों के आंकड़ों को पंचायत सचिव संधारित करें।

ठंड से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित

केसठ। बीते चार दिनों से मौसम का मिजाज लगातार बदलता जा रहा है। ठंड में इजाफा के चलते लोगों का जनजीवन प्रभावित है। वहीं आसमान के बादलो से घिरे रहने के कारण लोगों में बारिश की उम्मीद बनी हुई है। आसपास के क्षेत्र में दो दिन पूर्व हल्की बूंदाबांदी भी देखने को मिली। फिलहाल तापमान में गिरावट लगातार बरकरार है। जानकारों की माने तो अभी एक सप्ताह तक मौसम ऐसे ही रहने की संभावना के साथ ठंड बढ़ने की उम्मीद है। कृषि विभाग ने किसानों को सलाह देते हुए कहा है कि जनवरी माह में अधिक ठंड की आशंका होने के कारण आलू की फसल में सिंचाई कर देनी चाहिए, जमीन भीगी रहने पर पाले का असर कम हो जाता है। पहाड़ों पर बर्फबारी होने के कारण ठंड में इजाफा लगातार बना हुआ है। तापमान गिरने से लोगों को आने वाले दिनों में कड़ाके की ठंड की उम्मीद है।

मौसम के अनुकूल रहने से समय पर हुई है रबी फसल की बुआई

बेहतर उत्पादन की उम्मीद, डुमरांव प्रखंड में 12,919 हेक्टेयर में हुई गेहूं की बुआई

केटी न्यूज/डुमरांव

रबी फसल फसल की बुआई के लिए मौसम भी किसानों का साथ दे रहा है। जिले में लगभग सभी प्रखंडों में इसकी बुआई हो चुकी है। जहां पहले बुआई हुई है, वहां फसल निकल आई हैं। खेत घुमने सुबह-शाम जा रहे किसान बीजों से निकले पौधे देख काफी खुश हो रहे हैं। कृषि विभाग से मिली जानाकरी के अनुसार सबसे अधिक गेहूं फसल की बुआई हुई है, फिर मटर और चना का स्थान आता है।

कृषि विभाग की तरफ से सभी प्रखंड और जिला के अधिकारियों में इस दिशा में अलर्ट करते हुए बुआई का लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। लिहाजा मिले लक्ष्य के अनुरूप ही

अधिकारी और कर्मी गांव-गांव जाकर किसानों को खेती के लिये उत्प्रेरित किया है। पिछले साल से कहीं अधिक का लक्ष्य गेहूं का दिया गया है, जिसे सभी ने मिलकर पूरा भी किया है। कृषि विभाग की तरफ से अधिकारियों और कर्मियों को यह आदेश दिया गया था कि किसानों का साथ देते हुए फसल की बुआई करना है। फिर जरूरत के अनुसार खाद देना है, जैसी बातों को बताया जाता रहा।

डुमरांव प्रखंड कार्यालय में अवस्थित ई-किसान भवन से मिली जानकारी के अनुसार गेहूं, दलहनी और तेलहनी फसल की बुआयी समाप्त हो चुकी है। खेतों में इनके पौधे निकलने लगे हैं। समान्य से इसबार कहीं अधिक गेहूं फसल की बुआयी 12 हजार 919 हेक्टेयर में की गई है। वहीं चना खेती के लिये लक्ष्य से कहीं अधिक 653 हेक्टेयर में हुई है। इसी तरह से मटर फसल 67 हेक्टेयर में हुआ है, मसूरी 438, राई सरसो 189 हेक्टेयर और तीसी की खेती 12 हेक्टेयर में हुई है। बुआयी सही समय पर होने और उनके अंकुरित हो जाने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। बहुत से ऐसे किसान होते हैं, जो रेहन पर भी खेती करते हैं, उन्हें काफी खुशी हुई है। उन्हें लगता है कि इस साल उन्हें कर्ज से मुक्ति मिल जाएगी। सुबह-शाम खेतों में उग आए फसल को देख उनके चेहरे खुशी से झुम उठते हैं और आपस में बात करते हैं कि इस साल घाटा नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर दिल्ली में सम्मानित

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस के इंस्पेक्टर संतोष कुमार को भारत सरकार से मानव सेवा पुरस्कार हेतु कार्य के लिए रजत पदक मिलने पर दिल्ली के एसडीएम प्रवीण सिंह धामा, दिल्ली सिविल डिफेंस के कंट्रोलर दीनानाथ यादव और सीनियर इंस्पेक्टर कमल शर्मा ने सम्मानित किया। दिल्ली के एसडीएम ने संतोष कुमार को अन्य पदाधिकारियों से भी मिलवाया और दिल्ली के सिविल डिफेंस वॉलंटियर को आपदा प्रबंधन कार्यों के लिए संतोष कुमार से प्रेरणा लेने का सुझाव दिया। दिल्ली के सिविल डिफेंस कंट्रोलर ने वॉलंटियर को संतोष कुमार द्वारा ट्रेन हादसे में यात्रियों की सहायता कार्य और आपदा प्रबंधन के प्रति रेलकर्मियों को जागरूक व प्रशिक्षित करने की जानकारी दी।

अयोध्या में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर मंदिरों को होगा हनुमान चालीसा पाठ

धनबाद, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की धनबाद जिला ग्रामीण इकाई की बैठक सोमवार को गोविंदपुर के पोरियो मुहल्ला स्थित शिव मंदिर में हुई. बैठक की अध्यक्षता विहिप के जिला उपाध्यक्ष परमेश्वर गोराई ने की. विभाग संगठन मंत्री दीपक मंडल ने कहा कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ पौष शुक्ल द्वादशी यानी 11 जनवरी को मनाई जाएगी. इस मौके पर धनबाद जिले के सभी प्रखंडों के प्रमुख मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि मंदिरों की साफ-सफाई कर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ व सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा. साथ ही भगवान श्रीराम व भक्त हनुमान की महाआरती की जाएगी.

पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा ने बासुकिनाथ की पूजा-अर्चना की

दुमका, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री सह जेडीएस के संस्थापक एचडी देवगौड़ा सोमवार को दुमका जिले के बासुकिनाथ मंदिर पहुंचे. उन्होंने मंदिर में बाबा बासुकिनाथ की पूजा-अर्चना की और बाबा फौजदारीनाथ से उत्तम स्वास्थ्य व परमात्मा का आशीर्वाद मांगा. मंदिर के पुजारी सारंग झा ने पूर्व प्रधानमंत्री को संकल्प कराया. इसके बाद सारंग झा व 5 सहयोगी पुजारियों ने षोडशोपचार विधि से पूजा कराई. बाबा का दूध, दही, घी, गुड़, भांग, ईख का रस, गंगाजल से स्नान कराकर अभिषेक कराया. इसके बाद पूर्व पीएम ने मंदिर स्थित माता पार्वती, मां काली व माता बगलामुखी की विधिवत पूजा-अर्चना की. साथ ही दस महाविद्याओं की भी पूजा की. इसके बाद बाबा की आरती की. इस दौरान मंदिर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. इस मौके पर दुमका एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार व डीडीसी अभिजीत सिन्हा ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा को बाबा बासुकिनाथ का स्मृति चिह्न अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया. डीडीसी ने रुद्राक्ष की माला भी भेंट की. मौके पर एसी राजीव झा, आईटीडीए निदेशक, जरमुंडी एसडीपीओ अमित कच्छप, बीडीओ कुंदन भगत, मंदिर न्यास पर्षद के सदस्य व पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस से युवक ने होटल के कमरे में लड़की को बुलाया, पुलिस ने दोनों को किया गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस से एक युवक ने होटल के कमरे में लड़की को बुलाया। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना चुटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित एक होटल की है। शराब पीने के बाद होटल में आयी उस युवती ने इतना हंगामा किया कि जानकारी पुलिस तक पहुंच गयी। इसके बाद ग्राहक और युवती दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। बताया कि कोडरमा जिले के रहने वाले एक युवक ने रांची के स्टेशन रोड स्थित एक होटल में कमरा लिया था। कमरा लेने के बाद युवक ने ऑनलाइन एस्कॉर्ट सर्विस के लिए अप्रोच किया। जिसके बाद पैसे का भुगतान हुआ और एक लड़की युवक के कमरे तक पहुंचा दी गयी। शुक्रवार देर रात तक मामला बिल्कुल ठीक चला। लड़की युवक के कमरे में ही रही। लेकिन मामला तब बिगड़ गया, जब लड़की ने अत्यधिक शराब पी ली। शराब पीने के बाद लड़की को जब नशा चढ़ा, तब वह होटल में हंगामा करने लगी। लड़की के हंगामा करने पर होटल वालों को यह पता चला कि कमरे में ऑनलाइन भुगतान कर एक युवती को बुलाया गया है. लड़की को हंगामा करते देख होटल के कर्मचारियों ने चुटिया पुलिस को मामले की जानकारी दी।

500 परिवारों को मिला नया मुकाम, रेशम की डोर से जोड़ लिए 55 लाख

देवघर, एजेंसी। झारखंड के एक बेहद पिछड़े आदिवासी क्षेत्र में गरीबी मिटाने का संकल्प लेकर 250 किसान, 100 बुनकर और 100 दीदियां रेशम की डोर से सुनहरे सपने बुन रही हैं।

जंगलों में उत्पादित जैविक रेशम व अन्य प्राकृतिक संसाधनों के अधिकतम उपयोग करने के साथ हथकरघा-हस्तशिल्प पर आधारित नवाचार किए गए हैं।

यह अब 500 गरीब परिवारों की आजीविका का बड़ा साधन बन गया है। कांपिन में आवरण नाम के रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क के साथ यह रोजगार समूह सामाजिक सरोकार का अभीष्ट उदाहरण पेश करते हुए सालाना 55 लाख रुपये का कारोबार कर रहा है।

पूरी टीम रेशम धागा निकालने से लेकर कपड़ा बुनने और उसे बेचने के काम में दिन-रात जुटी रहती है। झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में वर्ष 2019 में महज पांच लाख की पूंजी से शुरू हुआ आवरण हैंडलूम एंड फैब्रिक्स धीरे-धीरे इस इलाके में आर्थिक समृद्धि लाकर गरीबी उन्मूलन का पर्याय बन गया है।

रेशम के धागे से कपड़ा तैयार करतीं महिलाएं : बड़ी बात यह है कि आदिवासियों के अथक परिश्रम से साल-दर-साल कारोबार बढ़ रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में गरीब-गुरबों को रोजगार सृजन का सुअवसर मिला है।

आवरण से जुड़कर जहां सैकड़ों महिलाएं रेशम से तैयार कपड़ों पर कांथा वाली कढ़ाई व मधुबनी पेंटिंग करके इन्हें उत्कृष्ट बनाने के काम में लगी हुई हैं।

वहीं हाथ से बने प्राकृतिक कपड़े के आदर्श वाक्य के साथ आवरण स्वरोजगार और गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में भी नया अध्याय लिख रहा है। प्रखंड में गरीबी से जूझ रहे किसानों, बुनकरों और रीलर्स के लिए स्थाई आय की परिकल्पना के साथ इसकी शुरुआत हुई थी।

उत्पाद को बाजार के अनुकूल बनाने में संस्थापक निदेशक नीतू बरियार और विपणन-बिक्री की जिम्मेवारी संभाल रहे रवि बरियार की भी बड़ी भूमिका है।

रेशम की कताई-बुनाई से जुड़े हैं सैकड़ों लोग : आवरण संस्था में रेशम की कताई-बुनाई से सैकड़ों लोग जुड़े हैं। ये कोकून से कटिया धागा बनाते हैं। ये धागे बेहद नाजुक होते हैं और केवल हथकरघा पर ही बुने जा सकते हैं।

धागे की क्वालिटी के आधार पर रीलिंग की लागत की गणना की जाती है। रेशम के कपड़े को कई चरणों में प्रसंस्करण के जरिये पहनने योग्य बनाया जाता है।

आम तौर पर हथकरघे पर बुना गया तसर सिल्क लगभग तीन मीटर या फिर दो साड़ियों के रोल में आता है। इस कपड़े को या तो रंगे हुए रूप में बेचा जाता है या छपाई-हाथ की कढ़ाई के बाद मूल्यवर्धन किया जाता है। इन दिनों रेशम के कपड़ों पर मांग के अनुकूल मधुबनी पेंटिंग व अन्य डिजाइनर पेंटिंग भी की जा रही है।

कुरियर कंपनी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे 2.30 लाख रुपए की चोरी

दुमका, एजेंसी। दुमका के नगर थाना क्षेत्र के दुधानी चौक के महिला शौचालय के सामने स्थित कुरियर कंपनी ई-कार्ट के कार्यालय का ताला तोड़कर नकद करीब 2.30 लाख रुपए की चोरी कर ली. घटना रविवार की रात की है. चोरों ने दीवार में लगे लॉकर को काटकर वारदात को अंजाम दिया. सोमवार की सुबह कार्यालय खुलने पर घटना की जानकारी हुई. इसके बाद नगर थाना पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस ने कार्यालय पहुंचकर जांच-पड़ताल की. वारदात की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हो गई है. इसमें तीन लोग चोरी करते दिख रहे हैं. पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों तक पहुंचने के प्रयास में जुट गई है.

कुरियर कंपनी की सीनियर अधिकारी अनुजा बनर्जी ने पुलिस को बताया कि शनिवार की देर शाम काम पूरा होने के बाद कार्यालय को बंद कर दिया गया. सुबह नौ बजे कार्यालय खुला तो मुख्य दरवाजा टूटा हुआ था. चोर दरवाजे को तोड़कर लॉकर रूम में घुसे और लॉकर में रखे रुपए निकाल कर फरार हो गए. लॉकर में 2.30 लाख रुपए थे. थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है.

होमगार्ड जवानों के एरियर भुगतान का मामला, अदालत में हाजिर नहीं हुए डीजीपी, कोर्ट ने नाराजगी के साथ जारी किया नया आदेश

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस डॉ. एसएन पाठक की पीठ में होमगार्ड जवानों को समान काम के बदले समान वेतन का बकाया एरियर नहीं देने के खिलाफ दाखिल अवमानना याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई. इस दौरान डीजीपी के उपस्थित नहीं होने पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि अदालत के आदेश को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। अदालत ने मामले में अब डीजी होमगार्ड को कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया है।

मामले में अगली सुनवाई आठ जनवरी को होगी। हाई कोर्ट के आदेश पर गृह सचिव वंदना डाडेल कोर्ट में हाजिर हुईं। पूर्व में कोर्ट ने राज्य सरकार को 25 अगस्त 2017 से होमगार्ड जवानों को बढ़े वेतन का लाभ देने का निर्देश दिया था. कोर्ट ने पुलिसकर्मियों के समान होमगार्ड जवानों को काम के लिए समान वेतन का लाभ देते हुए दो माह में एरियर का भुगतान करने का निर्देश दिया था। आदेश का अनुपालन नहीं होने पर कोर्ट ने गृह सचिव और डीजीपी को सशरीर हाजिर होने का निर्देश दिया था. इस संबंध में प्रार्थी झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय प्रसाद ने अवमानना याचिका दाखिल की है। उनकी ओर से कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराने की मांग की है. इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट के आदेश को सही मानते हुए सरकार की अपील खारिज कर चुकी है। प्रार्थियों का कहना था कि होमगार्ड भी पुलिसकर्मियों की तरह सेवा देते हैं, इसलिए, उन्हें भी नियमित पुलिसकर्मियों की तरह लाभ दिया जाए।

हिंडालको अनलोडिंग में मजदूरों ने किया धरना प्रदर्शन

लोहरदगा, एजेंसी। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत सोमवार को हिंडालको के जरिये संचालित लोहरदगा अनलोडिंग परिसर में ट्रक अनलोडर मजदूर संघ का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अनिल उरांव ने किया । इस कार्यक्रम में लोहरदगा लोकसभा के सांसद सह कोयला इस्पात एवं खनन मंत्रालय लोकसभा के स्थायी समिति के सदस्य सुखदेव भगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे ।

मौके पर मजदूरों ने अपनी समस्याओं से सांसद को अवगत कराते हुए उन्हें न्याय दिलाने और मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग किए। मौके पर उपस्थित मजदूरों को संबोधित करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि वह मजदूरों के जरिये आयोजित आंदोलन में वह उनके साथ हैं क्योंकि हिंडालको कंपनी ने दोहरी नीति को अपनाते हुए मजदूरों के ऊपर शोषण करने का काम किया है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

सांसद ने कहा कि सैकड़ों ट्रक अनलोडर मजदूर विगत 17 वर्षों से यहां काम करते आ रहे हैं और हिंडालको कंपनी बिना मजदूर मजदूरों को सूचना दिए एवं रोजगार उपलब्ध कराए बगैर दो माह से अनलोडिंग स्टेशन को बंद कर दिया है जिसके कारण हजारों मजदूर प्रभावित हुए हैं। मजदूरों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मजदूर अपने बच्चों की फीस की राशि नहीं दे पा रहे हैं. देश के निर्माण में मजदूरों का बहुत बड़ा योगदान होता है और हिंडालको मजदूरों के साथ अन्याय कर रही है जो न्याय संगत नहीं है। कंपनी प्रदूषण को लेकर अगर ट्रकों का परिचालन बंद किया है तो रोपवे से भी प्रदूषण होगा।

हिंडालको के दोहरी नीति से हजारों मजदूरों का रोजगार समाप्त हो गया। कंपनी को हर हाल में मजदूर का वैकल्पिक व्यवस्था कर ही अनलोडिंग स्टेशन को बंद करना चाहिए था । किसी भी कंपनी को रोजगार उपलब्ध कराना होता है ना कि रोजगार छिनना। सांसद ने कहा कि पीठ में लात मारेंगे तो चलेगा लेकिन पेट में लात मारेंगे तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । सांसद ने मजदूरों को भरोसा दिलाया कि वे आपके आंदोलन एवं सुख-दुख में आपके साथ हैं और हिंडालको कंपनी से वे रोजगार दिलवाने का प्रयास करेंगे और अगर जरूरत पड़ा तो मुख्यमंत्री एवं श्रम मंत्री से भी बात करेंगे। सांसद मजदूरों के साथ रोपवे स्थल पर गए जहां 10 दिन पूर्व रोपवे का 22 ट्रॉली गिर गया था। सांसद ने रोपवे का निरीक्षण करते हुए कहा कि लोहरदगा जिलावासी सौभाग्यशाली रहे कि हादसा में किसी का जान माल का नुकसान नहीं हुआ। हिंडालको प्रशासन के लापरवाही से यह घटना घटी है क्योंकि इसे अब चलाने के लिए प्राइवेट कंपनी को दे दिया गया है. इस घटना का दोषी हिंडालको कंपनी है और जिला प्रशासन का लापरवाही है जो इस मामला को संज्ञान में लेकर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं किया है।

मौके पर सांसद ने अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिला प्रशासन एवं हिंडालको कंपनी को आडिनेशन कर पूर्ण रूप से संतुष्ट होने के बाद ही रोपवे को चालू करेंगे और इसकी जानकारी मुझे देंगे। बिना संतुष्ट हुए अगर रोपवे को चालू किया जाता है और इस बीच कोई हादसा होता है तो हिंडालको एवं जिला प्रशासन इसका दोषी करार होगा । मौके पर मजदूरों ने कहा कि हिंडालको कंपनी हमें रोजगार उपलब्ध नहीं करती है तो अगला कार्यक्रम हिंडालको मुख्यालय का घेराव और उसके आगे चक्का जाम भी संवैधानिक प्रक्रिया के तहत मजदूर करेंगे।

माओवादी नक्सली षड्यंत्र के मामले में गिरफ्तार बच्चा सिंह को एनआईए ने सात दिनों की रिमांड पर लिया

रांची, एजेंसी। नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी (एनआईए) ने सीपीआई माओवादी नक्सली षड्यंत्र के मामले में गिरफ्तार बच्चा सिंह को रांची स्थित स्पेशल कोर्ट की इजाजत के बाद सोमवार से सात दिनों की रिमांड पर लिया है। उससे झारखंड में माओवादी षड्यंत्र के मामले में पूछताछ शुरू कर दी गई है। बच्चा सिंह बोकारो जिले के बोकारो थर्मल गोविंदपुर का निवासी है। उसे एनआईए ने 3 जनवरी को गिरफ्तार किया है। वह प्रतिबंधित मजदूर संगठन समिति (एमएसएस) का राज्य सचिव रह चुका है।

बच्चा सिंह सीपीआई (माओवादी) के पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा से जुड़े मामले में नामजद है। आरोप है कि वह प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) और उसके शीर्ष नेताओं से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ था और संगठन की गतिविधियों को मजबूत करने के लिए धन उगाही में शामिल था।

माना जा रहा है कि उससे पूछताछ के दौरान झारखंड में माओवादियों के नेटवर्क और टेरर फंडिंग से जुड़े मामलों का खुलासा हो सकेगा। बच्चा सिंह जिस एमएसएस (मजदूर संगठन समिति) नामक संगठन का नेता है, उस पर साल 2017 में झारखंड की तत्कालीन सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया था। जांच में यह बात सामने आई थी कि एमएसएस नक्सली संगठनों का सहयोगी है।

बच्चा सिंह पर पहले भी नक्सलियों के साथ सांठगांठ और नक्सलियों को बढ़ावा देने का आरोप लग चुका है और इस तरह के मामले में उसे पहले भी गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में वह अदालत से जमानत मिलने के बाद बाहर आ गया था। उल्लेखनीय है कि नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी (एनआईए) ने माओवादी षड्यंत्र से जुड़े मामले में शनिवार को बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड और हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड में कई गांवों में माओवादी नक्सलियों के खिलाफ दबिश दी थी। इस दौरान डिजिटल उपकरण, डायरी सहित कई सामान जब्त किए गए थे। एजेंसी की आठ टीमों ने चारो पट्टी, एनडेरवा, लोधी, चेचकटांड और हरदिया गांव में कई घरों की सघन तलाशी ली थी।

झारखंड में शराब पीने पर भड़की पत्नी, पति को लाठी से पीटकर मार डाला

दुमका, एजेंसी। झारखंड के दुमका में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां आपसी विवाद में पत्नी ने अपने ही पति की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह घटना शुक्रवार की देर रात रानेश्वर थाना अंतर्गत बागनोचड़ा गांव में हुई। घटना के बाद आरोपी महिला यसमुनी टुडू अपने एक बच्चे को लेकर फरार हो गई है। हालांकि, इस घटना की जानकारी मिलने पर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि हत्या का कारण का पता नहीं लग पाया है। इस मामले में फरार चल रही पत्नी की पुलिस तलाश कर रही है। उसकी गिरफ्तारी के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा।

मृतक हेमलाल टुडू (35) मूलरूप से टोंगरा थाना क्षेत्र के बुंदामनी गांव का निवासी था। शादी के बाद वह अपने ससुराल में ही बस गया था। युवक को एक बच्चा भी है। रात में शराब पीने के दौरान दंपति के बीच विवाद हुआ और आवेश में आकर नशे में धुत पत्नी की लाठी-डंडे से जमकर पिटाई कर दी। पिटाई के बाद उसकी पत्नी अपने बच्चे को लेकर फरार हो गई है। घर के अन्य सदस्य बाहर गए हुए थे। इस दौरान ही पति और पत्नी में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और पत्नी ने लाठी-डंडों से पीटकर पति की हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलने पर रानेश्वर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए दुमका पीजेएमसीएच भेज दिया।

झारखंड की इस महिला ने अपने डॉगी के बर्थडे पर खर्च कर डाले 5 लाख से अधिक

जमशेदपुर, एजेंसी। डॉगी पालने के कई शौकीन आपने देखे होंगे, लेकिन जमशेदपुर की समाजसेवी सपना सोना उनसे अलग हैं. पांच जनवरी को उन्होंने अपने छह साल के डॉगी रेन सोना का जन्मदिन धूमधाम से मनाया, जिसमें शहर के 300 से अधिक लोग शामिल हुए. जन्मदिन पर पांच लाख रुपये से अधिक खर्च किये गये. बर्थडे के लिए विशेष रूप से आकर्षक कार्ड छपवाया और अतिथियों को निमंत्रण दिया गया. डीजे और लाइव म्यूजिक के साथ रेन सोना की बर्थडे पार्टी में एंट्री करायी गयी.

इतनी ही नहीं जमशेदपुर की रहने वाली सपना सोना ने 40 हजार रुपये का केक भी काटा. अतिथियों के स्वाद के अनुसार केक के लिए लाइव केक स्टॉल लगाया गया. बर्थडे पार्टी में लोगों ने जमकर डांस किया. वहीं, जुगसलाई थाना क्षेत्र स्थित अंत्योदय भवन परिसर के समीप के अंत्योदय बस्ती में करीब

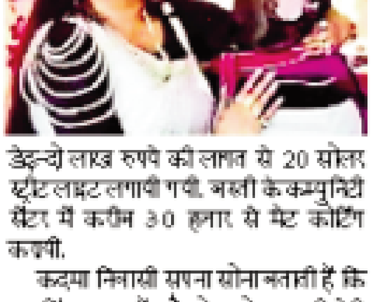

डेढ़-दो लाख रुपये की लागत से 20 सोलर स्ट्रीट लाइट लगायी गयी. बस्ती के कम्युनिटी सेंटर में करीब 30 हजार से मैट कोटिंग करायी.

कदमा निवासी सपना सोना बताती हैं कि वह सिंगल मदर हैं और रेन सोना उनकी बेटी है. छह महीने की थी, तभी उसे गोद में लेकर रायपुर से जमशेदपुर आयी थी. वह परिवार का ही नहीं बल्कि उनके जीवन का अहम हिस्सा है. हर साल उनके जन्मदिन पर गरीबों को खाना खिलाना, कंबल वितरण करना, गरीब बेटी की शादी कराना जैसे कार्य वह करती हैं. इस साल बस्ती में सोलर लाइट लगवायी है. शहर के श्मशान घाट में भी सेवाकार्य करने की योजना है.

रेन सोना के लिए आउट डोर के साथ इनडोर में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं. मीनू उसकी केयर टेकर है, जो उसका ख्याल रखती है और टाइम टू टाइम खाना खिलाती है. हर माह उसके रख-रखाव और देखभाल पर 25- 30 हजार रुपये खर्च होते हैं. दिन की शुरुआत से रात तक वह अपनी मालकिन के साथ रहती है और दोनों साथ में सोते हैं. सोना रेन के घूमने के लिए 20 लाख रुपये की एसयूवी हेक्टर कार है. सपना बताती हैं कि, जब वह कार खरीदने गयी थी, तो रेन सोना को साथ में लेकर गयी थीं. उसके पैरों में आलता लगाकर घर में प्रवेश कराया था. इस साल 16 जनवरी के बाद उसके लिए फॉर्च्यूनर लेजेंडर लेंगी, जिसकी कीमत करीब 45 लाख रुपये है.

पहाड़ों से आनेवाली बर्फीली हवाओं से फिर गिरेगा झारखंड का पारा

रांची, एजेंसी। झारखंड के करीब-करीब सभी जिलों के लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिली हुई है. अधिकतर जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर है. सोमवार को झारखंड की राजधानी रांची सहित करीब-करीब सभी जिले सुबह में घने कोहरे के साये में रहे. सबसे कम विजिबिलिटी राजधानी रांची की रही. यहां सुबह सात बजे के करीब लोग 300 मीटर से आगे देख नहीं पा रहे थे. आठ बजे तक राजधानी में कोहरे का असर रहा. बाद में मौसम साफ हो गया. अन्य जिलों में भी कोहरे का असर रहा. इसका असर जनजीवन पर भी पड़ा. संथाल में तो न्यूनतम तापमान 10 से लेकर 14 डिग्री सेल्सियस तक रहा. राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस के करीब रहा.

मौसम केंद्र ने पूर्वानुमान किया है कि मंगलवार से आसमान पूरी तरह साफ रहेगा. पहाड़ों से आनेवाली हवा का असर राजधानी रांची समेत अन्य जिलों पर पड़ेगा. राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान एक बार फिर 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है. आनेवाले दो से तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट आ सकती है. सुबह में कोहरा

या धुंध हो सकता है.

राजधानी रांची में सोमवार को कोहरे का असर लगातार तीसरे दिन भी विमान सेवाओं पर पड़ा. इसकी वजह से यात्रियों को एयरपोर्ट पर घंटों इंतजार करना पड़ा. एयर इंडिया एक्सप्रेस की मुंबई-रांची फ्लाइट (आइएक्स 1237) सुबह 8.20 बजे की जगह सुबह 9.48 बजे, इंडिगो की पुणे-रांची फ्लाइट (6ई 6484) सुबह 8.25 बजे की जगह सुबह 9.14 बजे, इंडिगो की दिल्ली-रांची फ्लाइट (6ई 5044) सुबह 8.40 बजे की जगह सुबह 9.02 बजे, इंडिगो की कोलकाता-रांची फ्लाइट (6ई 7561) सुबह 8.50 बजे की जगह सुबह 11.05 बजे, इंडिगो की हैदराबाद-रांची फ्लाइट (6ई 421) सुबह 10.20 बजे की जगह सुबह 10.26 बजे पहुंची.

एयर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु-रांची फ्लाइट (आइएक्स 2722) सुबह 11.20 बजे की जगह सुबह 11.58 बजे, इंडिगो की कोलकाता-रांची फ्लाइट (6ई 6152) सुबह 11.55 बजे की जगह दोपहर 3.20 बजे, इंडिगो की मुंबई-रांची फ्लाइट (6ई 2348) शाम 4.15 बजे की जगह शाम 4.40 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु-रांची फ्लाइट (आइएक्स 2706) शाम 4.40 बजे की जगह शाम 5.48 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली-रांची फ्लाइट (आइएक्स 1113) शाम 5.55 बजे की जगह शाम 6.47 बजे रांची पहुंची. वहीं इंडिगो की चेन्नई-रांची फ्लाइट (6ई 6113) शाम 6.35 बजे की जगह शाम 7.10 बजे और एयर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु-रांची फ्लाइट (आइएक्स 2975) शाम 6.45 बजे की जगह रात 8.36 बजे रांची पहुंची.

सुभाषितम्

अवसर सूर्य उदय की तरह होते हैं यदि आप ज्यादा देर प्रतीक्षा करेंगे तो आप उन्हें गवा देंगे। - अज्ञात

नये चीनी वायरस से चिन्ता में डूबी दुनिया

मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना को झेल चुकी दुनिया पर एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण की खबर ने दुनियाभर को चिंता में डूबो दिया है, बाजार से लेकर सामान्य जन-जीवन तक में डर, खौफ, अफरा-तफरी एवं असमंजस का माहौल व्याप्त है। कोविड-19 और अन्य श्वसन वायरस की तरह एचएमपीवी भी खांसने, छींकने और संक्रमित लोगों के निकट संपर्क से उत्पन्न बूंदों या एरोसोल के माध्यम से फैलता है। बुखार, सांस फूलना, नाक बंद होना, खांसी, गले में खराश और सिरदर्द इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मरीजों को इस संक्रमण के कारण ब्रोंकाइटिस और निमोनिया हो सकता है। एचएमपीवी के खिलाफ कोई टीका या प्रभावी दवा नहीं है और इलाज ज्यादातर लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए होता है। चीन में सांस की बीमारियों के बढ़ते मामलों की खबरों के बाद, भारत सरकार ने सतर्कता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ से स्थिति पर लगातार अपडेट देने का अनुरोध किया है। नये वर्ष में प्रवेश की शुभवेला में एकाएक इस महामारी की खबर से दुनिया भौचक्क एवं खौफ में आ गयी है। क्योंकि कोविड-19 महामारी के पांच साल बाद, चीन मौजूदा समय में नए वायरस एचएमपीवी से जूझ रहा है। इस वायरस ने चीन में हजारों लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। वहां हालात बेकाबू हो रहा है, अस्पतालों के बाहर मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। हालांकि, हर बार की तरह चीन का कहना है कि मीडिया खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। ये मौसम बदलने का असर है। ठंड बढ़ने से आमतौर पर लोग खांसी-जुकाम की समस्या से जूझते हैं। ये भी मौसम की वजह से ही हो रहा है। चीन के सरकारी ब्रॉडकास्टर सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर के अंत में चीनी सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक 14 वर्ष और उससे कम आयु के मामलों में एचएमपीवी की पॉजिटिव दर में हाल ही में वृद्धि हुई है। एचएमपीवी वायरस से छोटे बच्चे, वृद्ध और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग ज्यादा प्रभावित हुए हैं। चीन के साथ ही दुनिया के अनेक हिस्सों से इस महामारी से पीड़ित लोगों की खबरें आ रही हैं। भारत में भी चीन का खतरनाक वायरस एचएमपीवी पहुंच गया है। खबरों की मानें तो बेंगलुरु में 8 महीने का एक बच्चा एचएमपीवी वायरस से संक्रमित पाया गया है। बच्चे का ब्लड टेस्ट किये जाने के बाद ये दावा किया जा रहा है। यह भारत में एचएमपीवी वायरस का पहला मामला है। हालांकि, भारत में एचएमपीवी वायरस के मामले की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई। चीन में सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि इन्फ्लूएंजा ए, एचएमपीवी, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड सहित कई वायरस फैल रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एचएमपीवी मामलों में वृद्धि के कारण अचानक मृत्यु दर में चिंताजनक वृद्धि हुई है तथा 40 से 80 वर्ष की आयु के लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित हुए हैं। चीन की जिम्मेदार एजेंसियां इस वायरस के दुष्प्रभाव को घटाने में लगी हैं और यह उम्मीद की जा रही है कि चीन इस रोग पर लगाम लगाने में कामयाब हो जाएगा। चीन अपने यहां कोरोना वायरस पर भी लगाम लगाने में एक हद तक कामयाब रहा था। लेकिन वह दूसरे देशों में उसे फैलने से नहीं रोक पाया। लेकिन इस बार अब यह उम्मीद करनी चाहिए कि सजग चीन मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अपने यहां से किसी भी संक्रमित को किसी दूसरे देश की यात्रा न करने दें। साथ ही इस महामारी पर नियंत्रण पाने में जिस विधि एवं उपचार पद्धति से वह सफलता पाये, उसे समूची दुनिया से साझा करें, ताकि महामारी से महाविनाश का प्रकोप व्यापक न बन सके। एचएमपीवी का संक्रमण व्यक्तिगत संपर्क से बढ़ रहा है। अगर किसी संक्रमित व्यक्ति के किसी सामान को कोई स्वस्थ व्यक्ति छुए या उसके संपर्क में आये तो संक्रमण का खतरा बताया जा रहा है। यह वायरस चूंकि नया है, तो इसका अभी कोई टीका नहीं है। इसकी कोई एंटीवायरल दवा भी नहीं है। यह अच्छी बात है कि अधिकांश मामलों में लोगों को मामूली समस्याएं आ रही हैं। ज्यादातर लोग लक्षण के अनुरूप उपचार और आराम से ही ठीक हो जा रहे हैं। चीन ने साफ तौर पर कुछ बताया नहीं है, मगर अनुमान यही है कि गंभीर मामलों में लक्षणों को प्रबंधित करने के लिए अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन थेरेपी या कॉर्टिकोस्टेरॉइड उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है।

चिंतन-मनन

प्रयश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति परोक्ष रूप से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचायें। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई। सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शास्त्रों में बताये गये हैं उसका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं निश्चिन्तता की स्थिति उपलब्ध करलें।

क्यों भारत को चाहिए सैकड़ों डॉ. तितियाल और दर्जनों एम्स

-डॉ. आर.के. सिन्हा

अभी बीते कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो बहुत वायरल हो रहा था, जिसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के राजेन्द्र प्रसाद आई सेंटर के अध्यक्ष डॉ. जीवन सिंह तितियाल अपनी सरकारी सेवा से रिटायर होने के बाद अपने साथियों और रोगियों के साथ घिरे हुए हैं। उनकी आंखें नम हैं। सम्भवतः प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. तितियाल नेत्र चिकित्सा में अपनी विशेषज्ञता और समर्पण भाव से अपने मरीजों की देखभाल के लिए जाने जाते रहे। वे लगभग साढ़े चार दशकों तक एम्स से जुड़े रहे। इस दौरान उन्होंने हजारों रोगियों का इलाज किया और वे लाखों लोगों की आंखों के गुरु भी रहे। अगर एम्स को देश का सबसे बेहतर अस्पताल माना जाता है, तो उसे इस मुकाम पर लेकर जाने में डॉ. तितियाल जैसे डॉक्टरों का भी अहम रोल रहा है। डॉ. तितियाल के मार्गदर्शन में कई युवा नेत्र रोग विशेषज्ञों ने उच्च स्तर की सफलता हासिल की है।

देखिए, किसी भी सफल डॉक्टर को अपने क्षेत्र में हो रहे नए अनुसंधानों को लेकर अपडेट तो होना ही चाहिए। उन्हें नवीनतम चिकित्सा अनुसंधान, उपचार और तकनीकों के बारे में अच्छी तरह पता होना चाहिए। इस लिहाज से डॉ तितियाल बेजोड़ रहे। डॉ. तितियाल सही ढंग से रोग का निदान करने और उपयुक्त उपचार योजना बनाने में भी सक्षम हैं। इसमें रोगी के लक्षणों, चिकित्सा इतिहास और परीक्षण परिणामों का विश्लेषण करना शामिल है। डॉक्टर को मरीजों को उनकी बीमारी और उपचार विकल्पों को स्पष्ट और सरल तरीके से समझाने में सक्षम होना चाहिए।

डॉ. तितियाल एम्स के मरीजों को ध्यान से सुनते थे और उनकी चिंताओं और सवालों को गहराई से समझते थे। उनसे मिलकर रोगी आश्वस्त महसूस करता था। वे सभी मरीजों के साथ सम्मान और गरिमा पूर्ण व्यवहार रखते थे, चाहे उनकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो। डॉ. तितियाल मोतियाबिंद सर्जरी में विशेषज्ञ हैं, जिसमें फेकोइमल्सीफिकेशन और इंट्राओकुलर लेंस प्रत्यारोपण जैसी आधुनिक तकनीकें शामिल हैं। उन्होंने कई जटिल मोतियाबिंद सर्जरी सफलतापूर्वक की। वे कॉर्निया प्रत्यारोपण, टेरिजियम सर्जरी और अपवर्तक सर्जरी (जैसे लेसिक) में भी कुशल हैं। उनकी विशेषज्ञता कॉर्निया से संबंधित विभिन्न बीमारियों के इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डॉ. तितियाल ग्लूकोमा के निदान और उपचार में भी अनुभवी हैं, जिसमें दवाओं, लेजर उपचार और सर्जरी का उपयोग शामिल है। इसके अलावा, वे सामान्य नेत्र रोगों जैसे कि कंजंक्टिवाइटिस, ड्राई आई सिंड्रोम, और अन्य नेत्र संक्रमणों का इलाज करने में भी सक्षम हैं।

वे नेत्रविज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। उनके शोध प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित होते हैं, जो उनके शैक्षणिक योगदान को दर्शाते हैं। वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नेत्र विज्ञान सम्मेलनों में नियमित रूप से भाग लेते हैं और अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करते हैं। डॉ. तितियाल अपने मरीजों के प्रति समर्पित हैं और उनकी हर समस्या को ध्यान से सुनते हैं। वे व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने में विश्वास रखते हैं। वे मरीजों के साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करते रहे। वे नवीनतम तकनीकों और उपचार विधियों का उपयोग करके मरीजों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करते रहे। उम्मीद करनी चाहिए कि वे आगे भी अपनी सेवाएं देते रहेंगे। डॉ. तितियाल ने जटिल मोतियाबिंद के मामलों के प्रबंधन पर भी महत्वपूर्ण शोध किया है, जैसे कि वे मामले जिनमें पुतली सिकुड़ी हुई है या लेंस का विस्थापन हुआ है। उनके शोध से ऐसे रोगियों के लिए बेहतर उपचार विकल्प प्रदान किए हैं। डॉ. तितियाल ने ग्लूकोमा के शुरुआती निदान के लिए नई तकनीकों का अध्ययन किया है। उन्होंने ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी और अन्य इमेजिंग तकनीकों का उपयोग करके ग्लूकोमा से प्रभावित ऑप्टिक तंत्रिका पर होने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों का अध्ययन किया है। उन्होंने ग्लूकोमा के इलाज के लिए नए चिकित्सीय तरीकों की खोज में भी योगदान दिया है। उनके शोध में विभिन्न प्रकार की दवाइयों और शल्य चिकित्सा विकल्पों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया है। उन्होंने ग्लूकोमा की प्रगति की निगरानी के लिए नए तरीकों का अध्ययन किया है। उनके शोध से चिकित्सकों को ग्लूकोमा के रोगियों में दृष्टि हानि को रोकने में मदद मिली है।

डॉ. तितियाल ने कॉर्निया प्रत्यारोपण में उपयोग की जाने वाली नवीन तकनीकों का विकास किया है। उन्होंने एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी जैसी तकनीकों का अध्ययन किया है, जो कॉर्निया प्रत्यारोपण के बाद जटिलताओं को कम करने में मदद करती हैं।

उन्होंने सूखी आंख के कारणों और उपचार पर भी शोध किया है। उनके शोध ने सूखी आंख से पीड़ित रोगियों के लिए बेहतर उपचार विकल्प प्रदान किए हैं। डॉ. तितियाल ने कॉर्नियल संक्रमणों के प्रबंधन पर भी शोध किया है। उनके शोध ने इन संक्रमणों के लिए प्रभावी एंटीबायोटिक दवाओं और अन्य उपचारों की पहचान करने में मदद की है। डॉ. तितियाल का शोध नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रहा है। उनके शोध ने मोतियाबिंद सर्जरी को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाने में मदद की है, ग्लूकोमा के शुरुआती निदान और उपचार को बेहतर बनाया है, और कॉर्नियल बीमारियों के इलाज के लिए नए विकल्प प्रदान किए हैं। उन्होंने रेटिना रोगों के प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एमबीबीएस, एमएस, पीएचडी वगैरह करने के बाद दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर के रूप में स्थापित हुए। एम्स अपने यहां पढ़े विद्यार्थियों को लगातार शोध करने और मानवीय बने रहने के लिए प्रेरित करता है। यहां के डॉक्टरों में मानव सेवा का जज्बा का जज्बा देखने को मिलता है।

विश्व विख्यात लेखक और मोटिवेशनल गुरु डॉ. दीपक चोपड़ा, शिकागो यूनिवर्सिटी के पैथोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार, गंगा राम अस्पताल के मशहूर लीवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. अरविंदर सिंह सोईन, एम्स के मौजूदा डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. रमेश डेका, डॉ. पी. वेणुगोपाल, डॉ. सिद्धार्थ दास गुप्ता, यूरोलॉजिस्ट डॉ. रजनीश सूद जैसे सैकड़ों चोटी के डॉक्टरों ने एम्स में ही शिक्षा ग्रहण की और फिर इधर सेवाएं भी दीं।

समाजवादी आंदोलन के नायक मधु लिमये

- कुमार कृष्णन

समाजवादी नेता और चिंतक मधु लिमये वैचारिक प्रतिबद्धता और राजनीतिक शुचिता की मिसाल थे। उन्होंने डॉ राममनोहर लोहिया के नेतृत्व में देश में समाजवादी आंदोलन की मजबूत जमीन तैयार करके उसे वैचारिक धार भी दी। वे समाजवादी आंदोलन के कद्दावर नेता थे जिन्होंने अंग्रेजों की लाठियां भी खाईं और पुर्तगालियों से लोहा भी लिया। बिहार को उन्होंने राजनीतिक कर्मभूमि बनाया और पहली बार मुंगेर से चुनाव जीतकर संसद पहुँचे। लेकिन वे वहीं से नहीं लड़ना नहीं चाहते थे बिहार का बांका और मुंगेर दोनों क्षेत्र मधु लिमये की कर्मस्थली थी। जन्मदिन दोनों क्षेत्रों की मिली जुली होली में होती थी।

मधु लिमये का जन्म 1 मई 1922 को महाराष्ट्र के पूना में हुआ था। लिमये ने अपनी मिडिल स्कूल की शिक्षा सेंट मेरी स्कूल, पूना और सरस्वती मंदिर, पूना से प्राप्त की थी। एक प्रतिभाशाली छात्र, लिमये ने अपनी पांचवीं, छठी और सातवीं कक्षा की पढ़ाई सिर्फ एक साल में पूरी की। हालांकि, उन्हें 13 साल की उम्र में मैट्रिकुलेशन परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी गई थी। औपचारिक स्कूली शिक्षा में स्थगन ने उन्हें इतिहास, विभिन्न देशों में स्वतंत्रता आंदोलन और महान हस्तियों की जीवनी पर किताबें पढ़ने का अवसर दिया।

स्कूली शिक्षा के बाद मधु लिमये ने 1937 में पूना के फर्ग्युसन कॉलेज में उच्च शिक्षा के लिए दाखिला लिया और विश्व इतिहास, भारतीय प्रशासन, अंग्रेजी और संस्कृत जैसे विषयों को चुना। इसी दौरान लिमये समाजवादी विचारों की ओर आकर्षित हुए। उन्होंने छात्र आंदोलनों में भाग लेना शुरू कर दिया और अखिल भारतीय छात्र संघ के सक्रिय सदस्य बन गए। तब से मानवता को उपनिवेशवाद, शोषण और अन्याय के बंधन से मुक्त करने के लिए लिमये की यात्रा शुरू हुई।

लिमये ने बहुत ही कम उम्र में राजनीति में प्रवेश किया जब वे 1937 में पूना में अपने 15वें जन्मदिन पर मई दिवस के जुलूस में शामिल हुए। इस जुलूस पर आरएसएस के स्वयंसेवकों ने हिंसक हमला किया। इस हमले में जुलूस के नेता सेनापति बापट और एसएम जोशी बुरी तरह घायल हो गए। संघर्ष और प्रतिरोध की राजनीति से लिमये का यह पहला परिचय था। इस घटना के बाद मधु जोशी, एनजी गोरे और पांडुरंग साने उर्फ साने गुरुजी के निकट संपर्क में आए और अपने अन्य समकालीन वीएन उर्फ अन्ना साने, केशव उर्फ (बंडू) गोरे, गंगाधर ओगले, माधव लिमये और विनायक कुलकर्णी के साथ राष्ट्रीय आंदोलन और समाजवादी विचारधारा की ओर आकर्षित हुए और उनके अध्ययन समूह में शामिल हो गए। 31 दिसंबर 1938 को इस समूह ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में नामांकन करने का फैसला किया।

मधु जोशी पुणे जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव होने के साथ-साथ सोशलिस्ट पार्टी के सचिव भी थे। 1939 में जोशी ने लिमये को 17 साल की उम्र में पूना कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का जिला महासचिव नियुक्त किये गये। युवा लिमये ने युवा विंग से पूना में सीएसपी का आयोजन किया। उसी वर्ष, दो प्रसिद्ध समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण और डॉ. राममनोहर लोहिया पूना आए और लिमये की कुशलता से प्रभावित हुए।

1939 में जब द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ा तो उन्होंने सोचा कि यह देश को औपनिवेशिक शासन से मुक्त करने का एक अच्छा अवसर है। अक्टूबर 1940 में लिमये ने युद्ध के खिलाफ अभियान शुरू किया और युद्ध-विरोधी भाषणों के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और लगभग एक साल तक खानदेश क्षेत्र की धुलिया जेल में रखा गया। सितंबर 1941 में उन्हें रिहा कर दिया गया और उन्होंने महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में राष्ट्र सेवा दल और युवा शिविरों के आयोजन का काम संभाला। अगस्त 1942 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने बॉम्बे में अपना सम्मेलन आयोजित किया, जहाँ महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो का आह्वान किया। यह पहली बार था जब लिमये ने गांधीजी को करीब से देखा। गांधी जी समेत कांग्रेस पार्टी के कई शीर्ष नेता गिरफ्तार कर लिए गए। लिमये अपने कुछ साथियों के साथ भूमिगत हो गए और अच्युत पटवर्धन और अरुणा आसिफ अली के साथ भूमिगत प्रतिरोध आंदोलन में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने एक रेडियो सेवा की स्थापना की और पटवर्धन और जोशी द्वारा संपादित मराठी पत्रिका क्रांतिकारी शुरू की। उस समय

समय वे बॉम्बे सेंट्रल स्टेशन के सामने मूनक महल में रह रहे थे। 19 अप्रैल 1943 को पुलिस ने छापा मारा और साने गुरुजी, एनजी गोरे और श्रीभाऊ लिमये को गिरफ्तार कर लिया। जोशी और लिमये भाग निकले। मूनक महल पर छापे के बाद बॉम्बे के समाजवादियों ने अपना ठिकाना बदल लिया और हडसन हाउस नामक एक नए स्थान पर चले गए।

सितंबर 1943 में लिमये को जोशी और विनायक कुलकर्णी के साथ यहीं से गिरफ्तार किया गया था। उन्हें भारत रक्षा नियम (डीआईआर) के तहत गिरफ्तार किया गया था और जुलाई 1945 तक वर्ली, यरवदा और विसापुर की जेलों में बिना किसी सुनवाई के रखा गया था। उनकी हिरासत के दौरान ब्रिटिश सरकार ने उनसे भूमिगत गतिविधियों के रहस्य उगलवाने की पूरी कोशिश की, लेकिन पुलिस द्वारा उन पर किए गए बर्बर अत्याचारों के बावजूद लिमये चुप रहे। लिमये लगभग एक दशक, 1938-48 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी से जुड़े रहे। उन्होंने फरवरी 1947 में सीएसपी के कानपुर सम्मेलन में भाग लिया, जहां सोशलिस्ट पार्टी से उपसर्ग कांग्रेस हटा दिया गया। लिमये सोशलिस्ट पार्टी के पुनर्गठन में सबसे आगे थे और उन्हें खानदेश क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने ट्रेड यूनियन कार्यकर्ताओं को सफलतापूर्वक संगठित किया और किसानों तथा युवाओं को समाजवादी विचारधारा के दायरे में लाया। 1947 में, उन्होंने भारतीय समाजवादी आंदोलन के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में सोशलिस्ट इंटरनेशनल के एंटवर्प (बेल्जियम) सम्मेलन में भाग लिया। उन्हें 1948 में नासिक सम्मेलन में सोशलिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के लिए चुना गया और 1949 में पटना सम्मेलन में सोशलिस्ट पार्टी के संयुक्त सचिव के रूप में चुना गया। वे सोशलिस्ट पार्टी की विदेश मामलों की समिति के सचिव और 1953 में रंगून में एशियाई समाजवादी ब्यूरो के सचिव थे। लिमये 1953-54 में इलाहाबाद में आयोजित प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के प्रथम सम्मेलन में संयुक्त सचिव भी चुने गये।

मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री पद की गरिमा को चार चाँद लगाया

- तनवीर जाफरी

पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का गत 26 दिसंबर को 92 साल की आयु में निधन हो गया। अपने प्रधानमंत्रित्व काल में डॉक्टर मनमोहन सिंह को भाजपा नेताओं की जिस तरह की आलोचनाओं का सामना करना पड़ा वह इतिहास में दर्ज हो चुका है। जैसे घटिया शब्द उस महान विश्वविख्यात अर्थशास्त्री की आलोचना के लिये इस्तेमाल किये गये उसका जवाब मरणोपरांत न केवल देश की जनता ने डॉक्टर मनमोहन सिंह के प्रति अपने अगाध प्रेम व श्रद्धांजलि विदाई से दिया बल्कि पूरे विश्व से प्राप्त श्रद्धांजलि संदेशों ने भी यह साबित कर दिया कि डॉक्टर सिंह अर्थजगत की एक ऐसी शख़्सियत थे जिनके योगदान को देश व दुनिया में हमेशा याद रखा जायेगा। डॉक्टर मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्वकाल में वैसे तो ऐसे अनेक लोकहितकारी फैसले लिये गये परन्तु उनमें खास तौर पर चार निर्णय ऐसे थे जिन्होंने देश की दिशा व दशा दोनों बदल डाली। इनमें पहला कानून जो 12 अक्टूबर 2005 को लागू हुआ वह था बहुचर्चित आरटीआई (राइट टू इन्फॉर्मेशन) अथवा सूचना का अधिकार। इसी कानून के चलते भारतीय नागरिकों को सरकारी अधिकारियों और संस्थानों से सूचना मांगने का अधिकार प्राप्त हुआ। आरटीआई कानून पंचायत से लेकर संसद तक प्रभावी है। यही वह कानून था जिससे कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला, खनन घोटाला, 2जी और कोयला ब्लॉक आवंटन में हुए घोटालों आदि को बेनकाब करने में सहायता मिली। इसी तरह वर्ष 2005 में ही ग्रामीणों को कम से कम वर्ष में 100 दिनों के काम की गारंटी दिये जाने वाला कानून राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा) बनाया गया। 2 फरवरी 2006 से लागू किये गये नरेगा कानून जो अब महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नाम से जाना जाता है, के चलते ग्रामीण इलाकों में गरीबी भी कम हुई और ग्रामीण बेरोजगारों का रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन का सिलसिला भी काफी कम हो गया। भाजपा सरकार जो पहले इस योजना का मजाक उड़ाती थी वही अब इस योजना को प्रोत्साहित करने को मजबूर है। यही वजह है कि वर्ष 2006-07 में जिस नरेगा का बजट 11 हजार 300 करोड़ था वह वर्ष 2023-24 में बढ़कर 86 हजार करोड़ रुपये हो चुका है। इसी प्रकार किसानों की कर्ज माफी योजना वर्ष 2008 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए की मनमोहन सिंह सरकार द्वारा लाई गयी जिसके अंतर्गत देश के किसानों का कर्ज माफ करने का निर्णय लिया गया। उसके बाद वर्ष 2008 में मनमोहन सिंह सरकार के कार्यकाल में ही भारत और अमेरिका के बीच परमाणु सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के अंतर्गत ही भारत को अपनी ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने के लिए परमाणु तकनीक और ईंधन मिलने का रास्ता प्रशस्त हुआ था। साथ ही अब पाकिस्तान की ओर झुकाव रखने वाले अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों ने इसी समझौते के चलते एक नया मोड़ लिया था। डॉ सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल की सबसे बड़ी चुनौती 2008 में पूरी दुनिया में फैली आर्थिक मंदी भी थी। उस समय पूरे विश्व में आर्थिक तबाही मची हुई थी।

आज का राशिफल

मेष: जीवन में हर पहलू ... आज हो सकता है ... अपने ... में सफलताएं हासिल कर सकते हैं।

तुला: आज कारोबार में बढ़ने के अवसर हैं और आपके ... मन में वृद्धि होगी।

वृषभ: आज दिन काफी ... आपके जीवन में कोई नई ... मिल सकती है।

वृश्चिक: आज दिन लाभ और ... आपका ...

मिथुन: आज करियर के मामले में ... आपके ... सफलता ... होंगी।

धनु: आज किसी प्रकार की नई योजना ... सकते हैं। यात्रा से मन को शांति मिलेगी।

कर्क: आज ... और आपके ... के साथ ... होगा।

मकर: आज परिवार में ... के योग हैं और आपके सुख समृद्धि में वृद्धि होगी।

सिंह: आज ... के मामले में दिन ... होगा और आपके ... होगा।

कुंभ: ... मामलों में ...

कन्या: मानसिक ... की ... मिलेगी। ... की आवश्यकता है।

मीन: ... में वृद्धि ... और आज ... आपकी ... भी बढ़ेगी।

विशेष

कौन बनेगा करोड़पति के नाम पर ठगी

भारत में ठगी का धंधा बड़ी तेजी के साथ फैल रहा है। पिछले कुछ वर्षों में साइबर ठगी का बोलबाला था। उसके बाद फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगों ने अपना जाल फैलाया। अब कौन बनेगा करोड़पति के नाम पर ठगी शुरू हो गई है। इसमें बड़ी संख्या में लोग ठगे जा रहे हैं। भारत में जिस तरह से ठगी का धंधा बढ़ रहा है। उसके बाद कहा जाने लगा है। भारत ठगी के धंधे में दुनिया का सिरमौर बन सकता है। सरकार को इस धंधे को प्रोत्साहित करना चाहिए, ताकि बेरोजगार युवकों को रोजगार मिल सके। इससे अच्छा धंधा और कोई हो नहीं सकता है।

पीएम के लिए डॉलर बना मुसीबत

2013 में नरेंद्र मोदी ने डॉलर की कीमत को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के ऊपर तगड़े हमले करते थे। डॉलर की कीमत को देश की साख और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की उम्र से जोड़कर उनके ऊपर हमले करते थे। उस समय डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 58 रुपए थी। अब डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 86 रुपए पहुंच गई है। इसको लेकर सोशल मीडिया और विपक्षी दलों द्वारा लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लिया जा रहा है। सरकार ने इससे निपटने का दूसरा फार्मूला निकाल लिया है। सरकार कह रही है, रुपया ओवर वैल्यू था। डॉलर के मुकाबले रुपया बढ़ने का लाभ निर्यात व्यापार में मिलेगा। बदकिस्मती यह है, निर्यात व्यापार बढ़ नहीं रहा है। आयात तेजी के साथ बढ़ रहा है। मोदी जी करें भी तो क्या करें। डॉलर पर भारत सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1664 : तुर्की और रोम के बीच युद्ध समाप्त हुआ। 1787 : तुर्की ने रूस के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1842 : ब्रिटेन में बाल श्रमिकों को खान के भीतर काम करने से रोकने के लिए कानून बना। 1874 : अमेरिकी राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर का जन्म। 1894 : राष्ट्रपति वी.वी. गिरि का जन्म। 1904: पोर्ट आर्थर के पास जापानी नौ सेना ने रूसी बेड़े को तबाह कर दिया। 1913 : बाल्कन युद्ध समाप्त करने के समझौते पर हस्ताक्षर हुए। 1944 : फ्रांस ने आर्थिक संधि के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1945: द्वितीय विश्व युद्ध में जापान ने आत्मसमर्पण की पेशकश की। 1962 : निरस्त्रीकरण के किसी समझौते की शर्त के रूप में अंतरिक्ष निरीक्षण की योजना को सोवियत संघ ने ठुकरा दिया। 1979 : भारतीय उपग्रह रोहिणी आरएस.1 का श्री हरिकोटा से असफल परीक्षण।

दैनिक पंचांग

8 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

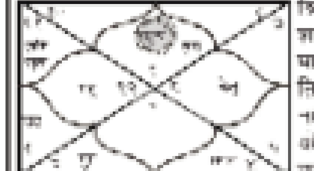

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
[illegible]		मकर	[illegible]
[illegible]		कुंभ	[illegible]
[illegible]		मीन	10.31 बजे से
[illegible]		मेष	12.01 बजे से
[illegible]		वृष	13.41 बजे से
[illegible]		मिथुन	[illegible]
[illegible]		कर्क	[illegible]
[illegible]		सिंह	[illegible]
[illegible]		कन्या	22.21 बजे से
राहुकाल 12.30 से 1.30 बजे तक		तुला	00.32 बजे से
		वृश्चिक	[illegible]
		धनु	05.02 बजे से

बुधवार 2025 ... विक्रम संवत् ...
शक संवत् 1946
माघ पौष पक्ष शुक्ल
तिथि ... 21.25 बजे तक ...
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872216
जूलियन दिन 2460683.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
[illegible]			[illegible]		
[illegible]	07.22 से	08.38 [illegible]	शुभ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	अमृत	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	चर	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	रोग	[illegible]	[illegible]
[illegible]	01.16 से	02.34 [illegible]	काल	[illegible]	02.51 [illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

... Bhagyaidaan.com, ...

इस रेस्टोरेंट में घुसते ही थप्पड़ खाते हैं लोग, फिर भी खाने के लिए लगी रहती है भीड़

यूं तो आपने कई रेस्टोरेंट में खाना खाया होगा। हर जगह गजब का स्वागत होता है। जिसे देखकर लगता है कि इस रेस्टोरेंट के लिए आप ही देवता है। लेकिन हम आज आपको आपको एक ऐसे रेस्टोरेंट के बारे में बताने जा रहे है जहां ग्राहकों का स्वागत थप्पड़ मारकर होता है। जी हां, इस रेस्टोरेंट में ग्राहकों का स्वागत वेटरेस थप्पड़ मारकर करती है। थप्पड़ मारे जाने के कारण ही ये रेस्टोरेंट पूरी दुनिया में फेमस है।

इस रेस्टोरेंट में थप्पड़ो से होता है ग्राहकों का स्वागत

इस रेस्टोरेंट का नाम Shachihokoya-ya है। जो कि जापान के नगोया में स्थित है। इस रेस्टोरेंट में सबसे बड़ी बात तो ये है कि यहां थप्पड़ खाने के लिए लोग पैसे भी देते हैं। लोग थप्पड़ खाने के लिए 300 जापानी येन यानी कि 169 रुपए खर्च करते है। जिसमें किमोनो पहने वेटरेस थप्पड़ मारती है। कई बार तो ऐसा भी होता है कि वेटरेस इतना जोर का थप्पड़ मारती है कि इंसान अपनी जगह से नीचे गिर जाता है। इससे रेस्टोरेंट को और भी फायदा हुआ है।

पैसे देकर लोग खाते हैं थप्पड़

थप्पड़ खाने के लिए लोग इतने उतावले होने लगे कि रेस्टोरेंट को और भी महिला स्टाफ को नौकरी पर रखना पड़ा गया। यहां कोई पुरुष थप्पड़ नहीं मार सकता इसलिए महिला वेटरेस को इस काम पर रखा गया है। इस रेस्टोरेंट में आप अपनी पसंद की वेटरेस से भी थप्पड़ खा सकते हैं। इसके लिए आपको 300 जापानी येन के बदले 500 जापानी येन यानी करीब 283 रुपए खर्च करने पड़ेंगे।

थप्पड़ मारे जाने के पीछे की कहानी

इस रेस्टोरेंट में थप्पड़ मारने की कहानी भी बेहद शानदार है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, Shachihokoya-ya को साल 2012 में खोला गया था। कुछ समय बाद ही ये बंद होने की कगार पर आ गया लेकिन उसी वक्त ग्राहकों को थप्पड़ मारने की शुरुआत की गई। स्टाफ वालों के अनोखे स्वागत के लिए थप्पड़ मारने लगी। जिसके बाद रेस्टोरेंट की बिजनेस काफी तेजी से बढ़ने लगा।

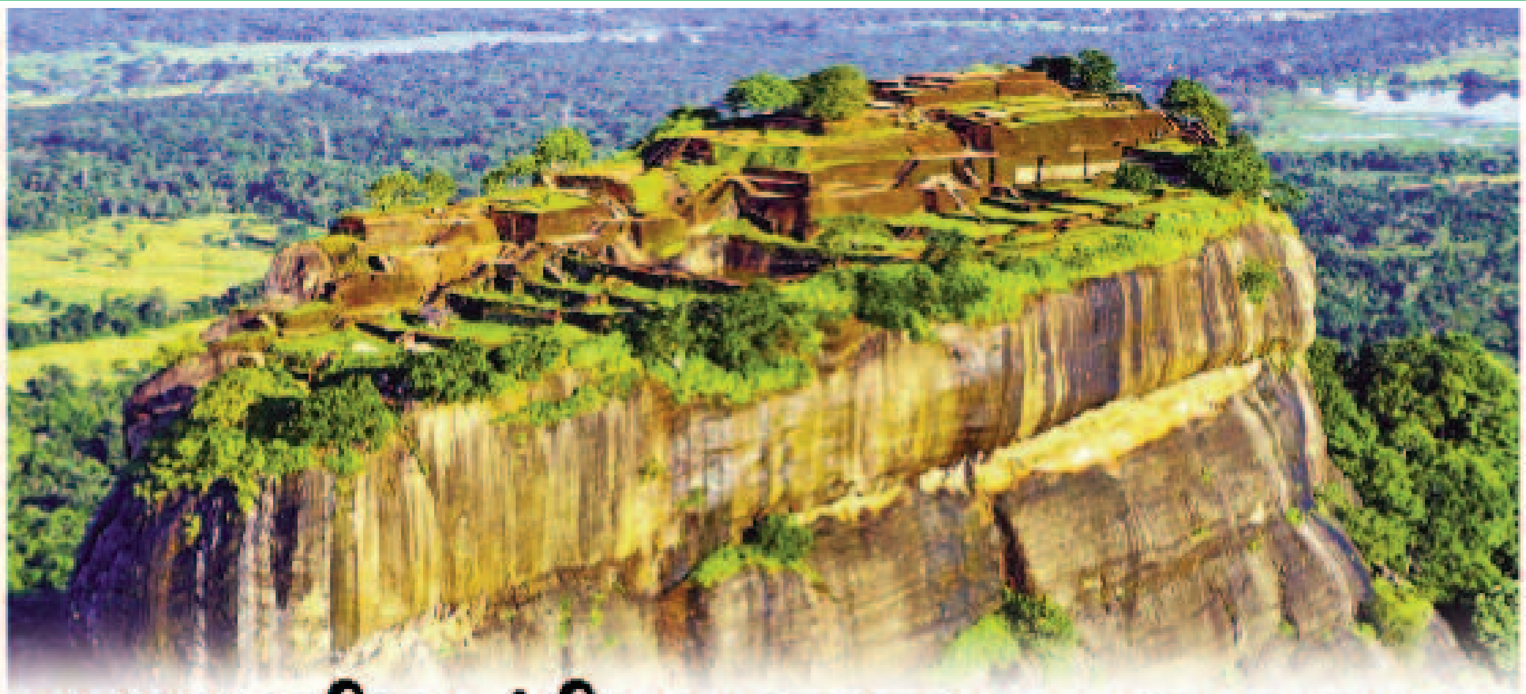

1100 फीट ऊंची चट्टान पर बना है श्रीलंका का प्राचीन सिगिरिया रॉक किला

सिगिरिया श्रीलंका में 5वीं शताब्दी ईस्वी का एक चट्टानी किला है. जिसे 'शेर किला' और चट्टान को 'लॉयन रॉक' के नाम से भी जाना जाता है. सिगिरिया एक खड़ी चट्टान है, जो समुद्र तल से 1144 फीट और आसपास के मैदान से 600 फीट ऊंची है. ये किला इसी चट्टान के ऊपर बना हुआ है, जिस तक पहुंचने के लिए लोगों को 1258 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है. कभी ये किला भव्य हुआ करता था, लेकिन अब उसके खंडहर ही शेष बचे हैं, जिन्हें देखकर लोग हैरान रह जाते हैं.

चट्टान के शिखर और किले के खंडहरों तक पहुंचने के लिए लोग सीढ़ियों से चढ़ते हैं. किले तक पहुंचने की सीढ़ियां के ऊपर शेर के दो पंजे चट्टान को काटकर बनाए गए हैं. जिसे 'लॉयन गेट' के नाम से जाना जाता है. साथ ही चट्टान के चारों ओर का हरे-भरे पेड़ों से घिरा इलाका भी दिखता है.

किसने बनवाया था ये किला?

रिपोर्ट के अनुसार, सिगिरिया किले को राजा कश्यप प्रथम ने बनवाया था. उन्होंने 477-495 A.D. तक सिंहली राजशाही पर शासन किया था. 495 A.D. में कश्यप के पराजित होने तक यह भव्य किला सिंहली साम्राज्य की राजधानी था. इस किले में आज भी लोग किले के खंडहरों, सीढ़ियों, खंभों, दर्पण की दीवार और भित्तिचित्रों को देख सकते हैं. ये भित्तिचित्र अप्सराओं, दिव्य गायकों और नर्तकियों के हैं.

विश्व धरोहर स्थल है सिगिरिया

सिगिरिया श्रीलंका के सबसे अहम ऐतिहासिक स्मारकों में से एक है और संभवतः देश में सबसे अधिक देखा जाने वाला पर्यटन स्थल भी है. यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है. कुछ लोग कहते हैं कि यह श्रीलंका के पर्यटक स्थलों में सबसे अधिक प्रसिद्ध चट्टान है. बड़ी संख्या में पर्यटक इस चट्टानी किले को देखने के लिए आते हैं, इसलिए भीड़ से बचने के लिए आपको सुबह जल्दी ही किले तक पहुंचना चाहिए. चट्टान की चोटी तक लगभग 1,258 सीढ़ियां हैं, जहां से आपको मनोरम दृश्यों का आनंद मिलेगा.

किले की भव्यता देख दुनिया हैरान

श्रीलंका में एक विशालकाय चट्टान के ऊपर एक खोए हुए प्राचीन शहर की खोज से पुरातत्वविद और इतिहासकार हैरान हैं। श्रीलंका के मध्य में मौजूद सिगिरिया शहर के खंडहर यहां आने वालों को आश्चर्य से भर देते हैं। अवशेष बताते हैं कि यह एक विशाल नगर था, जो पहली नजर में किसी राजा की राजधानी जैसा मालूम पड़ता है। यह एक ऊंची चट्टान पर स्थित है और इसके निर्माण की तकनीक आज भी पुरातत्वों को चकित कर देती है। ये अपने दौर की शानदार इंजीनियरिंग का नमूना पेश करता है।

रावण से सिगिरिया का संबंध

इतिहास की किताबों से अलग, कई इतिहासकार ऐसे भी हैं जो सिगिरिया का संबंध रामायण में बताए गए लंकापति रावण से जोड़ते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस चट्टान के शीर्ष पर 5000 साल पहले रावण का महल हुआ था, जिसे धन देवता कुबेर ने बनाया था। इस जगह पर एक नजर डालने पर आपको इसके वास्तुशिल्प का अंदाजा लग जाएगा। कहा जाता है कि इस महल में 1000 सीढ़ियों के साथ ही शीर्ष पर जाने के लिए लिफ्ट का इस्तेमाल किया जाता था। पांच हजार साल पहले लिफ्ट की कल्पना ही रोमांचित करने वाली है।

चट्टान के नीचे गुफाओं में किया था सीता को कैद

चट्टानी पठार के नीचे की ओर देखने पर इसमें कई गुफाएं नजर आती हैं। मान्यता है कि जब रावण ने सीता का अपहरण करने के बाद उन्हें कैद करने के बाद इन्हीं गुफाओं में से एक में रखा था। गुफा की दीवारों पर अभी भी बहुत सारे चमकीले भित्ति चित्र दिखाई देते हैं जो रावण के युग की कहानी को दिखाते हैं। इन चित्रों में कई महिलाओं के चित्र भी हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि यह रावण की कई पत्नियों के चित्र हैं।

बौद्ध मठ की भी चर्चा

अगर पौराणिक कथाओं को छोड़ दें तो सिगिरिया को एक समय प्रसिद्ध बौद्ध मठ भी माना जाता था। ऐसा माना जाता है कि 14वीं शताब्दी तक यहां बौद्ध भिक्षु रहा करते थे। हालांकि, इस तथ्य की पुष्टि के लिए आज सबूत नहीं है या फिर इस बात का पता नहीं चलता कि आखिर इसे अचानक क्यों और कैसे छोड़ दिया गया।

यहां पर है रावण का महल!

दक्षिण एशिया के खूबसूरत में देशों में श्रीलंका भी शामिल है। देखा जाए तो श्रीलंका एक छोटा देश है, लेकिन यह बेहद खूबसूरत देश है। श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का अहम योगदान है। बताया जाता है कि यहां पर आपको भगवान श्री राम और रावण की लंका से जुड़े कई प्रमाण मिलते हैं। इन प्रमाणों में श्रीलंका में स्थित सिगिरिया रॉक किला भी शामिल है। यह एक एक प्राचीन एवं पौराणिक किला है, जहां पर कई पुरानी स्थापत्य शैली और प्राचीन सभ्यता देखने को मिलती है। कहा जाता है कि सिगिरिया कभी रावण की लंका हुआ करती थी। लोगों का मानना है कि यहां पर स्थित एक चट्टान पर रावण का महल था। इस महल में सुरक्षित रूप से रखा था। बताया जाता है कि महल के पास रावण के पुष्पक विमान के लिए एक खास हवाई पट्टी थी।

कहा जाता है कि लंकापति रावण का साम्राज्य मध्य श्रीलंका में, बदुल्ला, अनुराधापुरा, कैंडी, पोलोन्नरुवा और नुवारा एलिया जैसे स्थानों तक फैला था। कहा जाता है कि इस महल का निर्माण कुबेर ने किया था। सिगिरिया रॉक चट्टान की चोटी पर एक प्राचीन महल का अवशेष है। यह सीढ़ीदार बगीचे, तालाब, नहर, फव्वारों से घिरा हुआ है। कहा जाता है कि रावण ने माता सीता को कुछ दिन के लिए यहां पर रखा था। इसके बाद उन्हें दूसरे स्थान पर ले जाया गया था। महल की खासियत यह है कि यह बेहद ऊंचाई पर मौजूद है। इसके बावजूद भी यहां पर बेहद खास तरीके से पानी का सिस्टम तैयार किया गया है। यहां पर रानियों के लिए बाग भी थे। बताया जाता है कि रावण के महल में जाने के लिए करीब 1000 सीढ़ियां थीं। इसके साथ ही वाटिका और उसके कर्मियों के लिए सबसे ऊपर जाने के लिए लिफ्ट भी थी।

चट्टानी ज्वालामुखी से निकले लावा से बना था श्रीलंका का सिगरिया रॉक

पड़ोसी देश श्रीलंका टूरिज्म के लिहाज से बेहतरीन डेस्टिनेशन है। यहां का सबसे खास टूरिस्ट स्पॉट है सिगिरिया रॉक। इसे पांचवी सदी में बनाया गया था और लोग आठवां अजूबा मानते हैं। यह श्रीलंका का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला पर्यटन स्थल है। अगर ऐतिहासिक स्थलों को देखना पसंद करते हैं तो यहां जा सकते हैं।

तीसरी शताब्दी में यह जगह मठ के लिए जानी जाती थी

ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के कारण इसे देखने के लिए दुनियाभर से पर्यटक यहां आते हैं। यह चट्टानी पठार ज्वालामुखी से निकले लावा से बना है। यहां के नजारे मनुष्य और प्रकृति के बीच एक अनूठे संबंधों को दर्शाते हैं। तीसरी शताब्दी से यह जगह मठ के लिए जानी जाती रही। यहां सीढ़ीदार बगीचे, झीलें और तालाब भी हैं। यहां के महल और किले के परिसर को प्राचीन शहरी नियोजन के बेहतरीन उदाहरणों में से एक माना जाता है।

राजा कश्यप ने 5वीं शताब्दी में यहां रॉयल रेसीडेंस बनाने का निर्णय लिया था, लेकिन राजा की मृत्यु के बाद यह जगह फिर बौद्ध मठ के रूप में 14वीं शताब्दी तक ख्याति प्राप्त करती रही। इसका प्रवेशद्वार चट्टान के उत्तरी हिस्से से है। इस चट्टान को इस तरह डिजाइन किया गया कि यह स्टोन लॉयन की तरह दिखाई देती है। हालांकि लॉयननुमा चट्टान का निचला हिस्सा यानी पैर वैसे के वैसे ही हैं, लेकिन ऊपरी संरचना क्षतिग्रस्त कर दी गई थी। इसका नाम सिगिरिया पड़ गया, जिसका अर्थ होता है लॉयन रॉक।

सिगिरिया की पश्चिमी दीवार भित्तिचित्रों से ढकी थी, जो कश्यप के शासनकाल के दौरान बनी थी। इनमें से 18 भित्ति चित्र आज तक देखे जा सकते हैं। इन चित्रों में नारी सौंदर्य से जुड़े विषय हैं। सिगिरिया की सबसे खासियत इसकी मिरर वॉल है। प्राचीन समय में इसकी ऐसी देखभाल की जाती थी कि राजा इसमें अपना प्रतिबिंब देख सकते थे। मिरर वॉल पर सिगिरिया में आने वालों के लिए लिखे गए शिलालेखों और कविताओं के साथ चित्रित किया गया है। सबसे प्राचीन शिलालेख 8वीं शताब्दी के हैं। शिलालेख बताते हैं कि सिगिरिया एक हजार साल पहले भी पर्यटन स्थल था। यहां की इमारतों और उद्यानों से पता चलता है कि इस अद्भुत वास्तुशिल्प स्मारक के रचनाकारों ने अद्वितीय और रचनात्मक तकनीकि कौशल का प्रयोग किया था।

कुदरत का चमत्कार हैं झील किनारे मौजूद ये स्तंभ, आखिर क्या है रहस्य?

कोली लेक कॉलम एक अनोखी भूवैज्ञानिक संरचना है जो कैलिफोर्निया के मोनो काउंटी में कोली झील के पूर्वी तट पर स्थित है। ये आकर्षक स्तंभ ज्वालामुखीय चट्टान से बने हैं और 760,000 साल पहले एक विशाल ज्वालामुखी विस्फोट के परिणामस्वरूप बने थे।

कैलिफोर्निया के मोनो काउंटी में कोली झील है, जिसके पूर्वी किनारे पर हजारों की संख्या में रहस्यमयी स्तंभ मौजूद हैं. इनको कोली लेक कॉलम्स के नाम से जाना जाता है, जिनकी बनावट अजीबोगरीब है, जिन्हें देखकर लोग हैरान रह जाते हैं. इन स्तंभों कुदरत का चमत्कार बताया जाता है, क्योंकि ये कैसे बनाए गए, कब इनका निर्माण हुआ और इनका क्या रहस्य है. इन सवालों पर आज भी चर्चा होती है.

कैसी है स्तंभों की बनावट

रिपोर्ट के अनुसार, कोली लेक कॉलम्स जियोलॉजिकल संरचनाओं का एक समूह है, ये स्तंभ 20 फीट तक ऊंचे हैं, जो ऊंचे मेहराबों से जुड़े हुए हैं. अक्सर इनकी तुलना एक प्राचीन मुस्लिम मंदिर के खंडहरों से की जाती है. स्तंभों को लेकर स्टडी कर रहे पीएचडी स्कॉलर नूह रैंडोल्फ-फ्लैग ने अहम जानकारी बताई. नूह रैंडोल्फ-फ्लैग के मुताबिक, कोली झील के पूर्व में 2 से 3 वर्ग मील क्षेत्र में 5,000 से अधिक स्तंभ मौजूद हैं, जिनके आकार में विविधता देखी जाती है. कई स्तंभ भूरे रंग के हैं, जो टेलीफोन के खंभों की तरह सीधे हैं. कुछ स्तंभ लाल-नारंगी रंग के हैं, कुछ मुड़े हुए हैं, या सभी एक ही कोण पर झुके हुए हैं. स्तंभ आकार में षट्कोणीय हैं, लेकिन ये पंचकोणीय या वर्गाकार भी हो सकते हैं.

क्या है इन स्तंभों का रहस्य?

आखिर इन स्तंभों का निर्माण कैसे हुआ इसको लेकर बर्कले स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की स्टडी सामने आई है. रिसर्चर्स ने निर्धारित किया है कि स्तंभों का निर्माण 760,000 साल पहले एक प्रलयकारी विस्फोट द्वारा उगली गई गर्म ज्वालामुखी राख, पानी के नीचे रिसने और भाप के ऊपर उठने से हुआ था. लेकिन बड़ा सवाल ये है कि स्तंभों के बीच समान स्थान कैसे बनाए गए, यही कोली लेक कॉलम्स का रहस्य है.

नितिन गडकरी का मास्टरस्ट्रोक, 1,200 करोड़ का कराया फायदा और किसी को भनक तक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को इनोवेटिव तरीके अपनाने के लिए जाना जाता है। वह बिलकुल अलग हटकर सोचते हैं। उन्होंने इसे एक बार फिर साबित किया है। गडकरी ने बड़ा मास्टर स्ट्रोक खेला है। उनके इस कदम से एनएचएआई को एक झटके में 1,200 करोड़ का फायदा हुआ है। दरअसल, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने चालू वित्त वर्ष में 56,000 करोड़ रुपये के कर्ज का पूर्व भुगतान किया है। इससे एनएचएआई को लगभग 1,200 करोड़ रुपये की ब्याज लागत की बचत हुई है। यह जानकारी एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में एनएचएआई का कुल कर्ज 3.35 लाख

करोड़ रुपये था। 2024-25 की तीसरी तिमाही के अंत तक यह घटकर लगभग 2.76 लाख करोड़ रुपये रह गया। एनएचएआई अपने कर्ज के बोझ को कम करने में सफल हो रहा है।

क्या चाहती है सरकार?- यह कदम एनएचएआई की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगा। कर्ज कम होने से ब्याज पर खर्च भी कम होगा। बची हुई राशि का इस्तेमाल नए राजमार्ग परियोजनाओं के लिए किया जा सकता है। आईएनवीआईटी एक तरह का निवेश ट्रस्ट है जिससे एनएचएआई को धन प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय लघु बचत निधि और एसबीआई को कर्ज चुकाने से एनएचएआई को ऊंची ब्याज दरों से छुटकारा मिला है।

सरकार का लक्ष्य है कि एनएचएआई की वित्तीय स्थिति और मजबूत हो। इससे देश में बुनियादी ढांचे के विकास को रफ्तार मिलेगी। नए राजमार्ग बनने से यातायात सुगम होगा और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। एनएचएआई का कर्ज कम होना देश के लिए एक अच्छी खबर है।

क्या होता है प्रीपे करने का मतलब?

कर्ज भुगतान में प्रीपे का मतलब होता है कि आप किसी कर्ज को उसकी निर्धारित अवधि से पहले ही चुका देते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आपने एक कार लोन लिया है और उसका भुगतान 5 साल में करना है, लेकिन आप 3 साल में ही पूरा लोन चुका देते हैं तो इसे ही प्रीपेमेंट कहा जाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप ब्याज को एक बड़ी रकम बचा सकते हैं। एनएचएआई भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय है। एनएचएआई देश के राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास, रखरखाव और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। एनएचएआई का गठन 1988 में किया गया था।

एनएचएआई ने आईएनवीआईटी से प्राप्त 15,700 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर्ज के पूर्व भुगतान के लिए किया है। इसके अलावा, राष्ट्रीय लघु बचत निधि (30,000 करोड़ रुपये) और भारतीय स्टेट बैंक (10,000 करोड़ रुपये) को भी 40,000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया गया है। ये संस्थान ऊंची ब्याज दरें वसूलते थे। पिछले साल के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एनएचएआई के लिए 1.68 लाख करोड़ रुपये का आवंटन रखा था।

टेबल स्पेस के संस्थापक और सीईओ अमित बनर्जी का निधन, कंपनी ने बयान जारी कर दी यह जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रबंधित वर्कस्पेस सॉल्यूशन प्रदाता टेबल स्पेस के संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ अमित बनर्जी का सोमवार की सुबह दिल का दौरा पड़ने से दुखद निधन हो गया। खबरों के अनुसार, कंपनी ने एक आधिकारिक बयान में उनके असामयिक निधन की पुष्टि की।

कंपनी की ओर से बयान में कहा गया, हम बहुत दुख के साथ हमारे संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ अमित बनर्जी के निधन की घोषणा करते हैं। कंपनी, उसके लोगों और उद्योग पर उनका प्रभाव स्थायी रहेगा और उनके परिवार, दोस्तों और भागीदारों को उनकी बहुत याद आएगी। 44 वर्षीय बनर्जी एक अनुभवी पेशेवर थे, जिन्हें प्रौद्योगिकी और रियल एस्टेट क्षेत्रों में व्यापक अनुभव था। 2017 में टेबल स्पेस की स्थापना से पहले, उन्होंने एक्सेंचर में 13 साल से अधिक समय तक काम किया, और बाद में कॉर्पोरेट रियल एस्टेट के प्रबंध निदेशक के रूप में काम किया। बनर्जी के नेतृत्व में, टेबल स्पेस ने तेजी से विकास किया। बनर्जी ने व्यवसाय विकास, वार्ता और परिसंपत्ति प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कंपनी ने अपने आगामी आईपीओ में 2.5 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन का लक्ष्य रखते हुए, वर्ष फंडिंग राउंड में लगभग 330 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। इस फंडिंग में हिलहाउस कैपिटल की महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता भी शामिल है।

वित्त वर्ष 24 तक टेबल स्पेस के राजस्व में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस

महत्वपूर्ण वृद्धि के बावजूद, कंपनी पर बनर्जी के निधन का असर पड़ेगा। पिछले वर्ष गुड कैपिटल के सह-संस्थापक रोहन मल्होत्रा का भी साल 44 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। वहीं पेफाई के सह-संस्थापक अभिरोह मूर्ति का 2023 में 51 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। एविनेमिया के सह-संस्थापक रोहन मीरचंदानी का भी पिछले महीने दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

दाम बढ़ाओ, माल घटाओ... एफएमसीजी कंपनियों ने महंगाई का निकाला तोड़, छोटे पैक की बढ़ी डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आपने कभी नोटिस किया है कि एक साल पहले 10 रुपये का बिस्कुट का जितना बड़ा पैकेट आता था, क्या अभी भी उतना ही बड़ा आता है? शायद नहीं। पैकेट का साइज छोटा हो गया है। लेकिन कीमत 10 रुपये ही है। दरअसल, कंपनियों ने महंगाई से बचने के लिए अपने-अपने प्रोडक्ट का साइज छोटा कर दिया है, लेकिन कीमत वही रखी है। वहीं दूसरी ओर कई कंपनियां अब कम कीमत वाले छोटे पैक भी मार्केट में निकाल रही हैं। कंपनियां प्रोडक्ट का वजन कम करके 5, 10 और 20 रुपये के मूल्य पैक को बनाए रखने पर फोकस कर रही हैं।

दरअसल, भारतीय उपभोक्ता काफी चीजों के छोटे पैक खरीद रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि किराने के सामान और घरेलू आपूर्ति की बढ़ती कीमतें उनके बजट से बाहर हो रही हैं। साबुन, डिटर्जेंट और चाय जैसी चीजों पर महंगाई का सबसे ज्यादा असर पड़ा है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के विश्लेषकों ने एक नोट में कहा कि पाम ऑयल की कीमत में साल-दर-साल करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी के कारण उपभोक्ता छोटे पैक खरीद रहे हैं, जिसका नकारात्मक असर वॉल्यूम पर पड़ रहा है।

कंपनियों ने बढ़ाई कीमत- महंगाई की

मार झेल रही एफएमसीजी कंपनियों ने दिसंबर तिमाही में कीमतों में बढ़ोतरी की है। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल), गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (जीसीपीएल) जैसी कंपनियों ने साबुन की कीमत में करीब 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। वहीं मैरिको ने अपने तेलों और टाटा कंज्यूमर ने चाय की रेंज की कीमतों में बढ़ोतरी की है।

विश्लेषकों ने कहा कि चालू तिमाही में कुछ कंपनियां कीमतों में और बढ़ोतरी कर सकती हैं। मैरिको के एमडी और सीईओ सौगत गुप्ता ने हाल ही में टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि वह प्रोडक्ट्स की कीमत में वृद्धि करने की प्रक्रिया में है।

शहर में कमजोर हुई मांग- कमजोर शहरी मांग के कारण एफएमसीजी कंपनियों की वृद्धि धीमी रही है। वहीं अच्छे मानसून के कारण ग्रामीण बाजार बढ़ रहे हैं। हालांकि, सुधार धीरे-धीरे हो रहा है और अकेले शहरी मंदी की भरपाई नहीं कर सकता। उच्च कमोडिटी मुद्रास्फीति का मतलब है कि कंपनियों के पास खपत बढ़ाने के लिए कीमतें कम करने की कोई गुंजाइश नहीं है।

एक विश्लेषक ने कहा कि अगर उपभोक्ता 1 किलो चाय और मल्टी-पैक साबुन खरीदने की जगह 500 ग्राम चाय पैक और एक या दो साबुन खरीदने लगते हैं तो यह निश्चित रूप से कंपनियों की तिमाही वॉल्यूम वृद्धि को प्रभावित करेगा।

21 दिन में पैसा डबल... झाड़ू-पोछा बनाने वाली कंपनी के शेयर ने दिया धुंआधार रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर में जहां उतार-चढ़ाव का दौर है, वहीं एक पैनी स्टॉक शेयर मार्केट में रॉकेट बना हुआ है। इस शेयर की कीमत 6 रुपये से कम है। इस पैनी स्टॉक का नाम कुशल हाइजीन प्रोडक्ट्स लिमिटेड है। इसमें कई दिनों से अपर सर्किट लग रहा है। मंगलवार को भी इसमें 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा। अपर सर्किट लगने के बाद मंगलवार सुबह 10 बजे इसकी कीमत 5.49 रुपये थी।

इस शेयर ने मात्र 21 दिनों में निवेशकों की रकम दोगुनी कर दी है। 17 दिसंबर को इस शेयर की कीमत 2.83 रुपये थी। अब यह शेयर 5.49 रुपये का है। ऐसे में देखा जाए तो इसने 21 दिनों में निवेशकों को करीब दोगुना रिटर्न दिया है। वहीं पिछले कुछ दिनों से इस शेयर में लगातार 5 फीसदी का अपर सर्किट देखा जा रहा है।

एक महीने में 150 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न- इस शेयर ने एक महीने में निवेशकों की

झोली भर दी है। एक महीने में इसने करीब 157 फीसदी रिटर्न दिया है। एक महीने पहले अगर आपने इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आज इसकी वैल्यू 2.57 लाख रुपये होती। यानी एक महीने में एक लाख रुपये के निवेश पर आपको 1.57 लाख रुपये का फायदा हो चुका होता।

6 महीने में तीन गुनी हो गई रकम- बात अगर 6 महीने के रिटर्न की करें तो इसने समय में भी इसने निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है। 6 महीने पहले इसकी कीमत 1.86 रुपये थी। ऐसे में इन 6 महीनों में 195 फीसदी रिटर्न दिया है। यानी निवेशकों की रकम करीब तीन गुनी हो गई है।

एक साल में इसने 250 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। एक साल में इसका रिटर्न 271 फीसदी रहा। एक साल पहले अगर आपने एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आज यह बढ़कर 3.71 लाख रुपये हो चुके होते।

क्या करती है कंपनी?- कंपनी की स्थापना 1995 में हुई थी। यह कंपनी बाथरूम, फ्लोर, किचन आदि की सफाई से जुड़े प्रोडक्ट जैसे झाड़ू, पोछा, वाइपर आदि बनाती है। इसके अलावा कंपनी पर्सनल हाइजीन प्रोडक्ट जैसे बॉडी स्क्रबर आदि भी बनाती है। बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक कंपनी का मार्केट कैप 49.77 करोड़ रुपये है।

एचएमपीवी ने अडानी-अंबानी को दिया बड़ा झटका, 6 अरब डॉलर से अधिक की लगी चोट

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी अब दुनिया के टॉप-20 अरबपतियों से बाहर होने के कगार पर पहुंच गए हैं। सोमवार के एचएमपीवी वायरस के झटके लुढ़के शेयर मार्केट के बाद उनकी कुल संपत्ति 74.5 अरब डॉलर रह गई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में गौतम अडानी अभी 19वें पोजीशन पर हैं।

वहीं, 17वें स्थान पर काबिज रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी को 2.59 अरब डॉलर का झटका लगा है। उनकी संपत्ति अब 90.5 अरब डॉलर रह गई है। सोमवार को आरआईएल के शेयर भी 2.79 पर्सेंट टूट गए। भारत की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल की संपत्ति भी 1.09 अरब डॉलर कम होकर 31.7 अरब डॉलर रह गई है।

अडानी के शेयरों में भारी गिरावट- शेयर मार्केट में गिरावट की आंधी में अडानी एनर्जी सॉल्यूशन ने 6 पर्सेंट से अधिक का गोता लगाया। अडानी पावर बेयरिश रहा और यह 4.30 पर्सेंट टूटा तो अडानी ग्रीन 5.18 पर्सेंट लुढ़क कर बैठ पड़ गया। अडानी एंटरप्राइजेज, एसीसी, अंबुजा सीमेंट और अडानी पोर्ट्स में 3-3 फीसदी से अधिक की गिरावट रही।

अडानी विल्मर भी लाल निशान पर बंद हुआ। अडानी टोटल गैस भी करीब 3 फीसदी के नुकसान पर बंद हुआ। एनडीटीवी भी 4 फीसदी से अधिक नुकसान में रहा। इसका असर चेयरमैन गौतम अडानी के नेटवर्थ पर पड़ा और उन्हें एक ही दिन में 3.53 अरब डॉलर का झटका लगा।

निवेशकों को रिझाने का हथियार है डिविडेंड, दिल खोलकर बांटती हैं 5 कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में निवेश करते हैं तो आप डिविडेंड से वाकिफ होंगे। यह संभव है कि आपने जिस कंपनी के शेयर पर दांव लगाया उसने आपको डिविडेंड भी दिया हो। आमतौर पर कंपनियां अपने निवेशकों को जोड़े रखने के लिए इनाम के तौर पर डिविडेंड देती हैं। इस कदम से निवेशकों के साथ ही कंपनियों को भी फायदा होता है। आज हम आपको कुछ ऐसी कंपनियों के बारे में बताएंगे जो समय-समय पर अपने निवेशकों को डिविडेंड देती हैं। इससे पहले यह जान लेना जरूरी है कि डिविडेंड क्या है और इसे किस तरीके से बांटा जाता है।

क्या होता है डिविडेंड- डिविडेंड को लाभांश के नाम से भी जाना जाता है। आमतौर पर कंपनियां अपने मुनाफे को हिस्से में निवेशकों को डिविडेंड देती हैं। ये उन निवेशकों को मिलता है जिन्होंने कंपनी के शेयर खरीद रखे होते हैं। हालांकि, डिविडेंड देने का कोई निर्धारित समय नहीं होता है, लेकिन ज्यादातर कंपनियां तिमाही नतीजों के बाद ही डिविडेंड देने का ऐलान करती हैं। ऐसा भी नहीं है कि कंपनी घाटे में है तो

डिविडेंड नहीं बांट सकती है। अगर कंपनी घाटे में है, या कर्ज में है तब भी डिविडेंड देकर निवेशकों को जोड़े रख सकती है।

कैसे मिलता है डिविडेंड- एक कंपनी वित्तीय वर्ष के दौरान एक बार से अधिक डिविडेंड दे सकती है। डिविडेंड का पहले प्रस्ताव रखा जाता है जिसे बोर्ड मीटिंग में मंजूरी मिलती है। इसके साथ ही डिविडेंड के एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट का ऐलान होता है। एक्स डेट वो तारीख होती है, जब डिविडेंड के लिए पात्रता की अवधि खत्म हो रही होती है।

कंपनियों को कैसे फायदा

डिविडेंड के जरिए कंपनी अपने निवेशकों का भरोसा जीतने में कामयाब होती है। इसका फायदा ये होता है कि कंपनी के शेयरों की खरीदारी का माहौल बना रहेगा। कई बार ऐसा होता है कि कंपनियां शेयर गिरावट को रोकने या फिर और अधिक शेयरधारकों को आकर्षित करने के लिए डिविडेंड बांटती हैं।

5 कंपनियां जो डिविडेंड देने के मामले में हैं आगे

अनिल अग्रवाल समूह की लिस्टेड वेदांता लिमिटेड एक भारतीय खनन कंपनी है। इस कंपनी ने 30 से अधिक बार डिविडेंड दिया है। आमतौर पर यह कंपनी अलग-अलग तिमाही को मिलाकर एक वित्तीय वर्ष में कुल 35 प्रतिशत से ज्यादा का एनुअल डिविडेंड देती है। इसके अलावा इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, कोल इंडिया और चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन सबसे ज्यादा डिविडेंड देने वाले शेयरों में शामिल हैं।

गेहूं की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर, बढ़ेगी महंगाई! ब्याज दर में कटौती के आरबीआई के फैसले पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। आटा मिलों की मजबूत मांग के बीच घटती आपूर्ति के कारण गेहूं की कीमतें सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। रिकॉर्ड कीमतों से खुदरा महंगाई बढ़ने की संभावना है। महंगाई बढ़ी तो ब्याज दर में कटौती के आरबीआई के फैसले को प्रभावित कर सकती है।

आटा मिलों के मुताबिक, बाजार में गेहूं की आपूर्ति सीमित है। रिकॉर्ड कीमतें चुकाने के बाद भी आटा मिलें पूरी क्षमता से काम करने में सक्षम नहीं हैं। दिसंबर में सरकार ने अनाज की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए, कारोबारियों के लिए भंडार की सीमा कम कर दी थी। हालांकि, सरकार का यह तरीका कीमतों को कम करने में विफल रहा।

सरकार के उठाए फैसले के बाद भी नई दिल्ली में गेहूं की कीमतें लगभग 33,000 रुपये प्रति टन पर कारोबार कर रही हैं। अप्रैल में यह 24,500 रुपये से अधिक थी। साथ ही, पिछले सीजन की फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 22,750 रुपये

से भी काफी ज्यादा थी। मिल मालिकों का कहना है कि भंडारण सीमा आपूर्ति में सुधार करने और कीमतों को नीचे लाने में विफल रही। इससे पता चलता है कि निजी कंपनियों के पास कुछ आपूर्ति है और सरकार को अपने भंडार से थोक ग्राहकों को अधिक गेहूं बेचने की जरूरत है।

एफसीआई हर हफ्ते बेच रहा गेहूं- भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) हर हफ्ते थोक ग्राहकों को 100,000 टन गेहूं बेच रहा है, लेकिन यह मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। नवंबर में सरकार ने मार्च 2025 में समाप्त होने वाले वर्ष में राज्य के भंडार से थोक ग्राहकों को 25 लाख टन गेहूं बेचने की योजना की घोषणा की थी। यह पिछले सीजन में बेचे गए लगभग एक करोड़ टन से काफी कम है। एफसीआई के पास गेहूं सीमित है, जिससे वह निजी कंपनियों को ज्यादा गेहूं नहीं दे पा रहा है। दिसंबर की शुरुआत में राज्य के गोदामों में गेहूं का भंडार 2.06 करोड़ टन था, जो पिछले साल के 1.92 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है।

सरकार चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने पर जल्द लेगी फैसला : जोशी

खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार जल्द ही चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने पर फैसला लेगी। चीनी का एमएसपी 31 रुपये प्रति किलोग्राम है। यह दर फरवरी 2019 में तय की गई थी। जोशी ने एक कार्यक्रम के इतर कहा कि चीनी की एमएसपी बढ़ाने की मांग हो रही है। मंत्रालय इस मामले पर विचार कर रहा है। हम जल्द ही निर्णय लेंगे कि एमएसपी बढ़ाई जाए या नहीं। भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा निर्माता संघ (आईएसएमए) तथा राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ (एनएफसीएसएफ) एमएसपी को बढ़ाकर 39.14 रुपये प्रति किलोग्राम या 42 रुपये प्रति किलोग्राम करने पर जोर दे रहे हैं ताकि उत्पादन लागत को बेहतर ढंग किया जा सके और चीनी मिलों की वित्तीय स्थिति को सहारा मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

गोभी, मटर, आलू, मूली गाजर... ठंड बढ़ी तो लोगों को मिली महंगाई डायन से 'राहत'

नई दिल्ली, एजेंसी। ठंड से ही सही पर अब सब्जियों के घटे दामों से लोगों को राहत मिलने लगी है। गोभी, मटर से लेकर आलू, मूली, गाजर समेत हरी सब्जियों की नई खेप और सप्लाई बढ़ने से रेट्स में गिरावट गई है। कारोबारियों के मुताबिक, एक हफ्ते पहले 40 रुपये में बिकने वाले टमाटर की कीमत 20 रुपये हो गई है। वहीं,

आलू के रेट में भी काफी गिरावट आई है। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में इनमें कुछ और कमी देखने को मिलेगी।

जानकारी के मुताबिक, गाजीपुर सब्जी मंडी, ओखला सब्जी मंडी, आजादपुर सब्जी मंडी में हरी सब्जियों की आवक बढ़ गई है। इनमें नासिक, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, यूपी समेत दूसरे राज्यों से सब्जियों की सप्लाई होती है। आजादपुर सब्जी मंडी के थोक कारोबारी अनिल मल्होत्रा ने बताया कि ठंड बढ़ने की वजह से हरी सब्जियों की सप्लाई तेज हो गई है। दूर-दराज के साथ अब लोकल की भी सब्जियां मार्केट में आने लगी हैं, जिसकी वजह से कुछ सब्जियों के रेट कम हुए हैं।

क्या रह गई है कीमत- हालांकि, आने वाले दिनों में आलू, टमाटर, शिमला मिर्च, मटर से लेकर बीन्स के भी रेट और कम हो सकते हैं। वहीं, लक्ष्मी नगर के रहने वाले अशोक शर्मा बताया कि हफ्ते भर पहले 40 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिकने वाला टमाटर सोमवार को रिटेल में 20 रुपये प्रति किलो के हिसाब से मिला। इसके अलावा 100 रुपये में ढाई किलो मिलने वाला आलू अब 100 में चार किलो मिल रहा है।

वोडाफोन आइडिया बेचेगी अपनी पूरी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज के बोझ से दबी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के शेयर आज शुरुआती कारोबार में बढ़त पर है। इस तेजी के पीछे कंपनी का वह ऐलान है, जिसमें उसने कहा है कि कंपनी फायरफ्लाई नेटवर्क्स लिमिटेड में अपनी पूरी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी आईबस नेटवर्क एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को 4.5 करोड़ रुपये में बेचने जा रही है। यह डील 30 वर्किंग डेज के भीतर

क्लोज होने की उम्मीद है, वोडाफोन आइडिया के भारती एयरटेल लिमिटेड के साथ इस ज्वाइंट वेंचर से बाहर निकलने का प्रतीक है। एयरटेल ने स्पष्ट किया कि लेनदेन में कोई संबंधित पक्ष शामिल नहीं है, और सेबी के एलओडीआर का अनुपालन करता है।

वहीं, भारती एयरटेल लिमिटेड ने फायरफ्लाई नेटवर्क्स लिमिटेड में अपनी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी आईबस नेटवर्क एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को बेचने के अपने फैसले का खुलासा किया। 4.5 करोड़ रुपये के सौदे को 6 जनवरी, 2025 को शेयर खरीद समझौते के जरिए औपचारिक रूप दिया गया था और 30 व्यावसायिक दिनों के भीतर बंद होने की उम्मीद है।

लोग भूल जाते हैं कि उन्होंने अतीत में क्या हासिल किया है

रोहित-विराट के समर्थन में उतरे युवराज सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हारने के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। रोहित और विराट दोनों ही बल्ले से खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और हालांकि विराट ने पर्थ टेस्ट में शतक लगाया, लेकिन टीम में उनके स्थान को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने दुबई में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रीमियर लीग के लॉन्च पर रोहित और विराट दोनों का समर्थन करते हुए कहा कि लोग भूल जाते हैं कि उन्होंने (रोहित और विराट) अतीत में क्या हासिल किया है। भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से बाहर करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को सिडनी में पांचवां और फाइनल जीतकर एक दशक बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। युवराज ने कहा, मैं देखता हूं कि भारत ने पिछले 5-6 सालों में क्या हासिल किया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो जीत हासिल की हैं। मुझे याद नहीं कि किसी टीम ने ऐसा किया हो। लोग रोहित शर्मा और विराट कोहली की खूब आलोचना कर रहे हैं, लेकिन लोग भूल जाते हैं कि उन्होंने अतीत में क्या हासिल किया है।

उन्होंने कहा, वे इस समय के दो सबसे महान क्रिकेटर हैं। यह ठीक है कि वे हार गए, वे हमसे ज्यादा दुखी हैं। मुझे यकीन है कि भारत वापसी करेगा। कोच के तौर पर गौतम गंभीर, चयनकर्ता के तौर पर अजीत अगरकर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, ये इस समय क्रिकेट के सबसे बेहतरीन दिमाग हैं। उन्हें तय करना है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य क्या है। मुझे यकीन है कि इस पर चर्चा होगी, जब सभी चयनकर्ता बैठेंगे और इस बात पर विचार किया जाएगा कि भारत के लिए आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। रोहित शर्मा के सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर होने पर युवराज ने कहा, यह बड़ी बात है। मैंने पहले कभी नहीं देखा कि कोई कप्तान फॉर्म में न हो और उसने प्लेइंग इलेवन से बाहर होने का फैसला किया हो।

वह एक महान कप्तान है

यह रोहित शर्मा की महानता है कि उन्होंने टीम को खुद से आगे रखा। वह एक महान कप्तान हैं, चाहे वह जीतें या हारें, वह हमेशा एक महान कप्तान रहेंगे। उनकी कप्तानी में हमने विश्व कप (वनडे) का फाइनल खेला, हमने टी20 विश्व कप जीता, हमने बहुत कुछ हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया में हार से ज्यादा, न्यूजीलैंड से हार ने हमें और अधिक दुखी किया होगा क्योंकि हम अपने घर में 0-3 से हार गए थे। यह स्वीकार्य नहीं है। यह ठीक है कि हम दो बार जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया में हार गए। ऑस्ट्रेलिया पिछले सालों से एक मजबूत टीम रही है। यह पूछे जाने पर कि वह टीम इंडिया में क्या बदलाव देखना चाहेंगे? युवराज ने कहा, सबसे पहले मैं उस स्थिति में नहीं हूं, मैं खेल का प्रशंसक और अब भी खेल का छात्र हूं। गंभीर, रोहित और विराट ने मुझसे ज्यादा क्रिकेट खेली है। मैं केवल अपनी राय दे सकता हूं और मेरी राय यह है कि जब खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हों तो उनकी आलोचना करना बहुत आसान है, लेकिन उनका समर्थन करना बहुत मुश्किल है। उनकी आलोचना करना मीडिया का काम है और अपने दोस्तों और भाइयों का समर्थन करना मेरा काम है। मेरे लिए वे मेरे परिवार हैं। सोच ऐसी रहती है।

स्मृति मंधाना इस सीरीज में बनेंगी वनडे कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सलामी ओपनर स्मृति मंधाना 10 जनवरी से राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए कप्तान की भूमिका में हैं। हरमनप्रीत कौर और रेणुका सिंह ठाकुर को आराम दिए जाने के बाद, मंधाना केवल हरमनप्रीत, प्रिया मिश्रा और राघवी बिष्ट जैसे उभरते सितारों वाली प्रतिभाशाली टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। वेस्ट इंडीज के खिलाफ 3-0 की जीत के बाद भारत आत्मविश्वास के साथ सीरीज में उतरेगा, जिसका लक्ष्य अपनी जीत की लय को बरकरार रखना है।

तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की टीम

स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), प्रतिका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), तेजल हसबनिस, राघवी बिष्ट, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, तितास साधु, सायमा ठाकोर, सयाली सतघरे।

साल 2025 में स्मृति से उम्मीदें

स्थिरता: स्मृति मंधाना की सभी प्रारूपों (वनडे, टी20आई, टेस्ट) में निरंतरता बनाए रखने की क्षमता महत्वपूर्ण होगी। अगर वह ऐसा करती हैं, तो वह साल 2024 में अपने करियर की कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं।

नेतृत्व की भूमिका: अगर वह 2024 में नेतृत्व की भूमिका निभाती हैं, तो इससे उनकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और उनकी बल्लेबाजी के तरीके पर असर पड़ सकता है।

हरमनप्रीत कौर रेस्ट, हुई घोषणा

आयरलैंड महिला टीम का भारत दौरा

10 जनवरी - पहला वनडे, निरंजन शाह स्टेडियम, राजकोट
12 जनवरी - दूसरा वनडे, निरंजन शाह स्टेडियम, राजकोट
15 जनवरी - तीसरा वनडे, निरंजन शाह स्टेडियम, राजकोट

बैडमिंटन

मलेशिया ओपन में त्रीसा और गायत्री की जोड़ी को मिली कामयाबी, प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची

कुआलालंपुर, एजेंसी। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने मंगलवार को यहां थाईलैंड की ओर्निचा जोंगसथापोर्नपार्न और सुकिता सुवाचाई को सीधे गेम में हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। छठी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने केवल 30 मिनट में 21-10, 21-10 से जीत हासिल कर अंतिम 16 में जगह पक्की की। लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 टूर्नामेंट में अपनी सफलता से उत्साहित त्रीसा और गायत्री को थाईलैंड की जोड़ी से खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में कुछ समय में ही 17-8 की बढ़त बना ली और फिर यह गेम अपने नाम करने में देर नहीं लगाई। त्रीसा और गायत्री को दूसरे गेम के शुरू में थोड़ा चुनौती का सामना करना पड़ा। शुरू में एक समय स्कोर 8-8 से बराबरी पर था लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करके यह गेम और मैच अपने नाम किया।

किरण जाधव ने लक्ष्य कप में एयर राइफल का स्वर्ण पदक जीता

मुंबई, एजेंसी। नौसेना के किरण जाधव ने कई जाने-माने निशानेबाजों को पछाड़ते हुए 15वें लक्ष्य कप आमंत्रण टूर्नामेंट में 10 मीटर एयर राइफल का स्वर्ण पदक जीता। वर्ष 2018 से हर बार फाइनल में जगह बनाने वाले 29 साल के जाधव ने 251.7 अंक के साथ पहली बार खिताब जीता। जाधव ने महाराष्ट्र के पार्थ माखीजा (250.9) और महाराष्ट्र के ही मोहित गौड़ा (229.3) को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। पेरिस ओलंपिक के फाइनल में जगह बनाने वाले रेलवे के अर्जुन बबूता खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे लेकिन वह 208.2 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। पुरुष और महिला राष्ट्रीय एयर राइफल चैंपियन क्रमशः रुद्रांक्ष पाटिल और अनन्या नायडू फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे।

हम जानते हैं लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को कैसे हराना है : कैगिसो रबाडा

केपटाउन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने भरोसा जताया है कि उनकी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ा उलटफेर कर सकती है। उन्होंने कहा कि प्रोटियाज को पता है कि लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को कैसे हराना है।

दरअसल, दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को केपटाउन में पाकिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से जीत दर्ज की थी। इस जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से पाकिस्तान को हरा दिया है, जिससे उसकी पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में एंट्री हुई है। रबाडा ने पाकिस्तान के खिलाफ छह विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज रबाडा ने सुपरस्पोर्ट पर कहा, यह फाइनल में काफी दूर है, लेकिन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल जैसे बड़े अवसर के लिए आपको तैयार रहना होता है। दक्षिण अफ्रीका बनाम ऑस्ट्रेलिया हमेशा से एक अच्छी प्रतिद्वंद्विता रही है, क्योंकि हम क्रिकेट काफी हद तक एक जैसा खेलते हैं। हम कड़ी मेहनत से खेलते हैं और वह हमें कड़ी टक्कर देते हैं, यह हम जानते हैं। उन्होंने आगे कहा, हम उन्हें हराना भी जानते हैं। (टेस्ट क्रिकेट) हमारा सर्वोच्च प्रारूप है, जो हम अभी खेल रहे हैं। जब आप दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट और हमारे सभी दिग्गजों को देखते हैं तो वह सभी महान टेस्ट क्रिकेटर रहे हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेटर हैं और पाकिस्तान के खिलाफ यह श्रृंखला शानदार रही है। पाकिस्तान को हराने के बाद दक्षिण अफ्रीका प्वॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गया है। उसके 69.44 प्रतिशत अंक हो गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया 63.73 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं, डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए कोई टेस्ट मैच निर्धारित नहीं होने के कारण प्रोटियाज कोच शुकरी कॉनराड अपने आगामी मैच की संभावनाओं के बारे में बताया।

कॉनराड ने कहा, हम संभवतः जिंबाब्वे, आयरलैंड या अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच आयोजित करने का प्रयास करेंगे। हालांकि, अगर असफल होते हैं तो हम निश्चित रूप से कुछ दिन पहले वहां जाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हम वहां अच्छी तरह से कैंप करें, शायद केंटरबरी में ऐसा हो।

लक्ष्य, प्रणय मलेशिया ओपन में भारत का अभियान शुरू करेंगे

कुआलालंपुर, एजेंसी। शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय पर सबकी नजरें रहेंगी, क्योंकि वे मंगलवार को मलेशियाई राजधानी के एक्सिएटा एरीना में शुरू होने वाले नए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के पहले सुपर 1000 इवेंट मलेशिया ओपन 2025 में साल का अपना पहला खिताब जीतने की उम्मीद में सर्किट पर लौट रहे हैं। पुरुष एकल में लक्ष्य का सामना यू जेन ची (चीनी ताइपे) से होगा, जबकि प्रणय राउंड ऑफ 32 मैचों में ब्रायन यांग (कनाडा) से भिड़ेंगे। इस बीच, पुरुष युगल जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी अपने कैंपेन में लू मिंग चे और टैंग काई वेई (चीनी ताइपे) के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। चिराग और सात्विक पुरुष युगल में सातवें स्थान पर हैं। महिला एकल में मालविका बंसोड़ अपने पहले दौर के मुकाबले में जूली डावल जैकबसेन (डेनमार्क) से भिड़ेंगी, जबकि मालविका बंसोड़ का सामना गोह जिन वेई (मलेशिया) से होगा। अनुपमा उपाध्याय आठवें स्थान पर रहने वाली पोर्नपावी चोचुवोंग (थाईलैंड) को चुनौती देंगी। महिला युगल में सातवें स्थान पर रहने वाली त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी शामिल होगी, जो ओर्निचा जोंगसथापोर्नपार्न और सुकिता सुवाचाई (थाईलैंड) से भिड़ेंगी। आठवें स्थान पर रहने वाली तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा का सामना मिसाकी मात्सुतोमो और चिहारु शिदा (जापान) से होगा। महिलाओं के बीच होने वाले मुकाबले में रुतपर्णा और श्वेतपर्णा पांडा का सामना बेनयापा और नुंताकर्न एमसार्ड (थाईलैंड) से होगा।

राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता के लिए पारस पुंडीर का चयन

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के विकास खंड राजगढ़ के धामला निवासी पारस पुंडीर का चयन राष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 7 से 13 जनवरी तक राजस्थान के जयपुर में होगी। प्रदेश की टीम जयपुर के लिए रवाना हो चुकी है। पारस पुंडीर जयपुर में प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। पारस वर्तमान में ऊना स्पोर्ट्स हॉस्टल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। पारस ने अपने चयन का श्रेय अपने गुरु और पिता रणदीप ठाकुर और हॉस्टल में अपने कोच राम ठाकुर को दिया। पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी भूपेंद्र ठाकुर, रणदीप ठाकुर, अमन ठाकुर और जिला संघ के अध्यक्ष पूर्ण चंद ने कहा कि पारस को बधाई दी है। कुल्लू के दो खिलाड़ी जूडो में दिखाएंगे दमखम

महाराष्ट्र के पुणे में राष्ट्रीय सब जूनियर कैडेट जूडो प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता में कुल्लू के दो खिलाड़ी महिला और पुरुष वर्ग में दमखम दिखाएंगे। 44 किलोग्राम महिला भार वर्ग में परिणी ठाकुर और 40 किलोग्राम पुरुष भार वर्ग में आदिक का चयन हुआ है। कुल्लू जूडो एसोसिएशन के प्रधान रणवीर ठाकुर ने कहा कि हाल ही में शिमला में राष्ट्रीय सब जूनियर कैडेट जूडो प्रतियोगिता के लिए ट्रायल किए गए थे।

16 साल की अनहत ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वैश का खिताब जीता

बर्मिंघम, एजेंसी। पिछले वर्ष वह अंडर-17 वर्ग के फाइनल में पहुंची थी, लेकिन उन्हें वहां हार मिली थी। 2022 में अनहत राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने वाली देश की सबसे युवा खिलाड़ी बनी थी। अनहत ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य जीता है। वर्तमान में उनकी विश्व रैंकिंग 82 है।

देश की उभरती स्क्वैश खिलाड़ी 16 वर्षीय अनहत सिंह ने अंडर-17 ब्रिटिश ओपन जूनियर स्क्वैश टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। शीर्ष वरीय अनहत ने फाइनल में मिस्र की दूसरी वरीय मलिका अल करकसी को एक गेम से पिछड़ने के बाद 4-11, 11-9, 6-11, 11-5, 11-3 से हराया। अनहत इससे पहले यहां अंडर-11 और अंडर-15 वर्ग का खिताब जीत चुकी हैं। पिछले वर्ष वह अंडर-17 वर्ग के फाइनल में पहुंची थीं, लेकिन उन्हें वहां हार मिली थी। 2022 में अनहत राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने वाली देश की सबसे युवा खिलाड़ी बनी थीं। अनहत ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य जीता है। वर्तमान में उनकी विश्व रैंकिंग 82 है।

13 मार्च 2008 को दिल्ली में जन्मी अनहत के पिता गुरशरण सिंह पेशे से वकील हैं। वहीं, मां तनी सिंह इंटीरियर डिजाइनर हैं। अनहत की बड़ी बहन अमीरा भी स्क्वैश प्लेयर हैं। वह अंडर-19 लेवल पर भारत की शीर्ष खिलाड़ियों में रह चुकी हैं। अमीरा स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद फिलहाल हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही हैं। वह अभी हार्वर्ड महिला टीम के लिए स्क्वैश खेलती हैं।

अनहत को स्क्वैश से पहले बैडमिंटन पसंद था। वह पीवी सिंधु को खेलता देख बड़ी हुई हैं। छह साल की उम्र में अनहत ने दिल्ली में पीवी सिंधु को खेलते देखा तब सिंधु इंडिया ओपन में हिस्सा ले रही थीं। इसके बाद अनहत ने भी बैडमिंटन में भविष्य बनाने का सोचा। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में कुछ युवा स्तर के टूर्नामेंट भी जीते। हालांकि, अपनी दीदी अमीरा के नक्शेकदम पर चलते हुए उन्होंने आठ साल की उम्र से नियमित रूप से स्क्वैश खेलना शुरू कर दिया। तब से लेकर अब तक अनहत स्क्वैश खेल रही हैं।

इसके बाद कुछ ही समय में अनहत अंडर-11 और अंडर-13 में नंबर एक खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने 2019 में अंडर-11 लेवल पर भारत के लिए पहली बार प्रतिष्ठित ब्रिटिश ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक हासिल किया। इस खिताब के बाद अनहत ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। इसी साल अनहत ने एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। साल 2020 में उन्होंने ब्रिटिश और मलेशियन जूनियर ओपन टूर्नामेंट में रजत पदक जीता था। अनहत ने पिछले साल फिलाडेल्फिया में आयोजित यूएस ओपन 2021 जूनियर (अंडर-15) स्क्वैश टूर्नामेंट भी जीता था। वह किसी भी आयु वर्ग में यूएस ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट में चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं।

टाइगर ने रिकवरी के बाद थ्रो बैक लुक शेयर किया

अपनी सहन शक्ति से प्रशंसकों को किया प्रेरित

बॉलीवुड के एक्शन सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक थ्रोबैक तस्वीर शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि यह तस्वीर उन्होंने डेंगू से उबरने के ठीक एक दिन बाद क्लिक की थी। पोस्ट की कैप्शन देते हुए, यह तस्वीर मैंने डेंगू फीवर से ठीक होने के एक दिन बाद ली थी। टाइगर ने एक बार फिर अपनी अद्वितीय सहनशक्ति और समर्पण से फैंस को प्रेरित किया। अपने अनुशासन और अतुलनीय समर्पण के लिए प्रसिद्ध, टाइगर की यह पोस्ट उनके चुनौतियों को पार करने और अपने सर्वोत्तम रूप को बनाए रखने की क्षमता का प्रमाण है। स्वास्थ्य में गिरावट के बावजूद, उनके एब्स पर अंकित थकान उनके संकल्प और मेहनत का प्रतीक बनकर उभरा है, जो उन्हें दृढ़ता और संकल्प का सच्चा उदाहरण बनाता है। एक युवा और विश्वभर में अपने वफादार फैनबेस वाले एक्शन सुपरस्टार के रूप में टाइगर ने स्क्रीन पर और बाहर दोनों जगह मानक स्थापित करना जारी रखा है।

अभिनेत्री बिपाशा बसु ने अपनी पसंदीदा चीजों का किया खुलासा

अभिनेत्री बिपाशा बसु इन दिनों अपनी नन्ही बेटी देवी के साथ मातृत्व का भरपूर आनंद ले रही हैं। उनकी हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट इसके सबूत हैं। बिपाशा फिलहाल अपने पति करण सिंह ग्रोवर और बेटी के साथ मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। हाल ही में 'अलोन' एक्ट्रेस की अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में अपनी कुछ पसंदीदा चीजों का खुलासा किया। अपनी सुबह की एक झलक साझा करते हुए बिपाशा ने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनके पति करण सिंह ग्रोवर बालकनी में खड़े दिखाई दे रहे हैं, जबकि छोटी देवी अपनी मां के पास आराम कर रही है। उन्होंने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ये मेरी कुछ पसंदीदा चीजें हैं। बिपाशा बसु ने इंस्टा पर अपनी मालदीव की छुट्टियों की कुछ और झलकियां पोस्ट कीं। जहां एक तस्वीर में छोटी देवी समुद्र तट पर मस्ती करती हुई दिखाई दे रही है, वहीं दूसरी तस्वीर में बिपाशा बसु समुद्र तट के किनारे गर्म पेय का आनंद ले रही हैं। उन्होंने अपने होटल के पूल की एक क्लिप भी पोस्ट की। बिपाशा बसु अपनी छोटी सी खुशी के साथ मनमोहक अपडेट के साथ नेटिजन्स का मनोरंजन करती रहती हैं। बिपाशा के पति करण सिंह ग्रोवर आखिरी बार बड़े पर्दे पर एरियल एक्शन थ्रिलर फिल्म फाइटर में दिखाई दिए थे। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस एक्शन एंटरटेनर में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। फाइटर 25 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में पहुंची और यह फ्रेंचाइजी बॉक्स-ऑफिस पर मध्यम सफलता साबित हुआ। बिपाशा बसु की फिल्मोग्राफी की बात करें तो अभिनेत्री आखिरी बार वेब सीरीज डेंजरस का हिस्सा थीं। भूषण पटेल ने इस ड्रामा का निर्देशन किया था, जबकि विक्रम भट्ट ने इसकी पटकथा लिखी थी। बिपाशा बसु के अलावा, डेंजरस में करण सिंह ग्रोवर, सोनाली राउत, नताशा सूरी और सुयश राय भी प्रमुख भूमिकाओं में थे। यह शो 2020 में एमएक्स प्लेयर पर प्रसारित हुआ और तब से अभिनेत्री अभिनय से दूर हैं। बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर दोनों ने अभी तक अपने अगले वेंचर की घोषणा नहीं की है।

ऋतिक रोशन ने बताया साल 2025 में क्या है उनका प्लान

साल 2025 को लेकर फिल्म जगत के सितारों के बीच एक अलग ही उत्साह है। अभिनेता ऋतिक रोशन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि साल 2025 में उनका क्या प्लान है। अभिनेता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपने लेटेस्ट पोस्ट को अक्सर फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। ऐसे में बात नए साल के प्लान की हो तो वह भला कैसे पीछे रह सकते हैं। रोशन ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर को शेयर करते हुए बताया कि मजबूत दिखने और मजबूत होने में बहुत अंतर होता है। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, मजबूत होने और मजबूत दिखने में बहुत अंतर है। इस साल मैं असली चीज के लिए तैयार हो रहा हूं। शेयर की गई तस्वीर में अभिनेता अपनी बॉडी को फ्लॉन्ट करते नजर आए। सोशल मीडिया पर सक्रिय ऋतिक रोशन हाल ही में एक पोस्ट साझा कर वह अपनी खास दोस्त सबा आजाद का हौसला बढ़ाते नजर आए थे।

सूरज पंचोली अपनी पहली बायोपिक में वीर हमीरजी गोहिल का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं!

सूरज पंचोली, जो अपनी दमदार स्क्रीन उपस्थिति और लोगों के साथ तालमेल बिठाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, अपनी पहली बायोपिक से लोगों को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं। होने वाला एक ऐसी फिल्म में एक गुमनाम योद्धा वीर हमीरजी गोहिल की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, जो गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर में हुए युद्ध के इर्द-गिर्द घूमती है। जुनून में उत्सुकता जोड़ते हुए, यह फिल्म 14वीं शताब्दी ईस्वी के दौरान घुसपैठियों से मंदिर को बचाने के लिए लड़े थे। अपने प्राणों की आहुति देने वाले गुमनाम योद्धाओं की प्रेरक कहानी को दर्शाएगी। निर्देशक प्रिंस धीमान द्वारा निर्देशित, इस बायोपिक को भव्य पैमाने पर भव्य सेट और पुनर्निर्मित महलों के साथ शूट किया गया है।

इसके अलावा, अभिनेता पहली बार प्रतिष्ठित अभिनेता सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और आकांक्षा शर्मा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए दिखाई देंगे। प्रामाणिकता जोड़ने के लिए, अभिनेता पहले कभी नहीं देखे गए अवतार को निभाएंगे, जो एक प्रभावशाली फिल्म को सामने लाएगी जो न केवल जनता का मनोरंजन करने का वादा करती है बल्कि वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित कहानी भी बताती है।

'शोले' की 'बसंती' बन कैमरे के सामने झूमीं दीपिका सिंह, नमन शॉ बने 'वीरू'

लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री दीपिका सिंह ने ब्लॉकबस्टर 'शोले' के माध्यम से अपने अंदर की 'बसंती' को प्रशंसकों के सामने मजेदार अंदाज में पेश किया। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए पोस्ट में अभिनेत्री के साथ नमन शॉ 'वीरू' की भूमिका में नजर आए। दीपिका सिंह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अपने इंस्टाग्राम पर अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। शेयर किए गए लेटेस्ट वीडियो में अभिनेत्री 1975 में आई फिल्म 'शोले' के गाने 'हां जब तक है जान' पर डांस करते कैमरे में कैद हुईं। वीडियो में दीपिका के साथ अभिनेता 'वीरू' की भूमिका में नजर आए। हालांकि, रील में मजेदार ट्विस्ट है। क्लिप की शुरुआत दीपिका के 'मंगल लक्ष्मी' के सह-कलाकार नमन शॉ से होती है, जो दिग्गज स्टार धर्मेंद्र के किरदार 'वीरू' की भूमिका में हैं और मशहूर लाइन कहते हैं, बसंती इन कुत्तों के सामने मत नाचना। इसमें ट्विस्ट तब आता है, जब दीपिका जवाब देती है, नहीं, जब तक है जान मैं तो रील बनाऊंगी। अभिनेत्री ने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, शूटिंग के लिए जाने से पहले मैं रील बनाऊंगी। ऑन लोकेशन फन, दीपिका सिंह और नमन शॉ। इसके बाद अभिनेत्री दिग्गज गायिका लता मंगेशकर द्वारा गाए गए गाने 'हां जब तक है जान' पर डांस करना शुरू कर देती हैं। यह गाना मूल रूप से धर्मेंद्र, हेमा मालिनी और अमजद खान पर फिल्माया गया था। अमजद खान ने फिल्म में खलनायक गब्बर सिंह की भूमिका निभाई थी। शोले की बात करें तो, एक्शन-एडवेंचर फिल्म का निर्देशन रमेश सिप्पी ने किया था। यह फिल्म दो अपराधियों, वीरू (धर्मेंद्र) और जय (अमिताभ बच्चन) के किरदार पर फोकस है।

काजल अग्रवाल स्टारर कन्नप्पा का फर्स्ट लुक आउट, मां पार्वती बनीं अभिनेत्री

काजल अग्रवाल की अपकमिंग तेलुगु पौराणिक ड्रामा 'कन्नप्पा' से उनका फर्स्ट लुक पोस्टर आउट हो चुका है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्टर को शेयर करते हुए उसे अपना ड्रीम रोल बताया। पोस्टर में काजल मां पार्वती के किरदार में नजर आईं।

'कन्नप्पा' के निर्माताओं ने सोमवार को सोशल मीडिया पर फिल्म से उनका पहला लुक जारी किया और अभिनेत्री ने भी अपने प्रशंसकों को इस लुक से रूबरू कराया।

पोस्टर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए काजल अग्रवाल ने लिखा, वाकई एक ड्रीम रोल! 2025 की शुरुआत करने की खुशी है कन्नप्पा, हर हर महादेव। माता पार्वती। काजल अग्रवाल की पोस्ट पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कमेंट करते हुए लिखा, बहुत खूबसूरत।

वहीं, पोस्टर में अभिनेत्री देवी पार्वती के रूप में खूबसूरत लग रही हैं। पोस्टर में अभिनेत्री ने सुनहरे बॉर्डर वाली सफेद साड़ी पहनी है। उनके लुक को सुनहरे नेकपीस के साथ मैचिंग इयररिंग्स, चूड़ियों और मांग-टीका के साथ पूरा किया गया है। उनके बाल खुले रखे गए और उनमें गुलाबी रंग का फूल लगा हुआ है। 'कन्नप्पा' के निर्देशक मुकेश कुमार सिंह हैं और निर्माण मोहन बाबू ने 24 फ्रेम्स फैक्ट्री के सहयोग से अपने बैनर एवीए एंटरटेनमेंट के तहत किया है।

फिल्म में काजल अग्रवाल के साथ विष्णु मांचू मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे, जबकि मोहन बाबू, आर. सरथकुमार, अर्पित रांका, कौशल मंडा, राहुल माधव, देवराज, मुकेश ऋषि, ब्रह्मानंदम, रघु बाबू, प्रीति मुकुंधन, मधु, मोहनलाल, प्रभास और अक्षय कुमार भी महत्वपूर्ण भूमिका में दिखेंगे।

फिल्म में अक्षय कुमार कैमियो किरदार में नजर आएंगे। 'कन्नप्पा' अक्षय कुमार की पहली तेलुगु फिल्म है।

हेजल कीच और युवराज

हेजल कीच ब्रिटिश मॉडल हैं और सलमान खान की फिल्म बॉडीगार्ड में भी नजर आ चुकी हैं, उन्होंने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई थी। हेजल और युवराज ने साल 2016 में शादी की थी। आज दोनों एक खुशहाल जिंदगी गुजार रहे हैं।

गीता बसरा और हरभजन

क्रिकेटर हरभजन और गीता बसरा ने पांच साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शादी की थी। गीता पंजाबी इंडस्ट्री का जाना माना नाम है। यह कई बॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। दोनों साथ में अपने बच्चों का पालन पोषण कर रहे हैं।

इन हसीनाओं ने क्रिकेटर को बनाया हमसफर, किसी का सफल रहा रिश्ता

बॉलीवुड और क्रिकेट का काफी पुराना नाता रहा है। दोनों ही क्षेत्र में पैसा और ग्लैमर है। यही वजह है कि जब कोई बड़ा मैच होता है तो अक्सर मैदान में बॉलीवुड सितारों को देखा जाता है। हालांकि, अब बॉलीवुड और क्रिकेट का रिश्ता सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा। यह अब शादी में भी बदल चुका है। तो आज की इस खबर में हम आपको उन बॉलीवुड हसीनाओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने क्रिकेटर से शादी की थी। हालांकि, कुछ की राहें भी जुदा हो गईं।

युजवेंद्र चहल और धनश्री

भारतीय क्रिकेटर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने साल 2020 में सात फेरे लिए थे। दोनों सोशल मीडिया पर भी अक्सर एक-दूसरे पर प्यार लुटाते थे। हालांकि, अब दोनों ने एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। इंटरनेट पर अब दोनों के रिश्ते की खटास की खबरें भी वायरल हो रही हैं। कई लोगों का कहना है कि अब दोनों अलग होने की सोच रहे हैं।

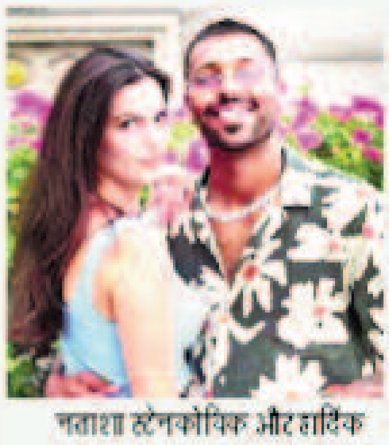

नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या

नताशा स्टेनकोविक सर्बिया और बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री हैं। यह कई आइटम नंबर्स में भी नजर आ चुकी हैं। नताशा और हार्दिक ने साल 2020 में शादी के बंधन में बंधे थे। हालांकि, अब दोनों की राहें जुदा हो गई हैं और दोनों अपने बच्चों का साथ में पालन-पोषण कर रहे हैं।

अनुष्का और विराट

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने साल 2017 में शादी की थी, उस समय दोनों की शादी की तस्वीरें भी काफी वायरल हुई थीं। दोनों ने शादी करने से पहले लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट किया था। इस समय कपल बेटी वामिका और बेटे अकाय के माता-पिता हैं। अनुष्का बच्चों को मीडिया लाइमलाइट से काफी दूर रखती हैं।

शर्मिला टैगोर और मंसूर अली खान पटौदी

शर्मिला टैगोर अपने जमाने की टॉप अभिनेत्री थीं, उन्होंने मंसूर अली खान पटौदी को अपना हमसफर बनाया था।

सालों तक एक-दूसरे को जानने-समझने और डेटिंग के बाद शर्मिला टैगोर और मंसूर अली खान पटौदी ने 27 दिसंबर, 1968 को रचाई थी। शर्मिला ने अपनी शादी को लेकर खूब सुर्खियां बटोरी थी।

-साभार एजेंसी